घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 26- बुधवार 26- नवम्बर 2025,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये ,www.ghatati-ghatana.com,RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2023-2025

पीएम मोदी ने अयोध्या राम मंदिर पर फहराई धर्मध्वजा

अब मानसिक गुलामी से मुक्ति का लक्ष्य, इसने राम को भी काल्पनिक बता दिया : मोदी

अयोध्या,25 नवम्बर 2025। अयोध्या का राम मंदिर संपूर्ण हो गया। प्राण प्रतिष्ठा के 673 दिनों बाद पीएम मोदी और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण किया। सुबह 11.50 बजे अभिजीत मुहूर्त में बटन दबाते ही 2 किलो की केसरिया ध्वजा 161 फीट ऊंचे शिखर पर फहरने लगी। पीएम भावविभोर हो गए। उन्होंने धर्मध्वजा को हाथ जोड़कर प्रणाम किया। पीएम ने कहा-आज सदियों के घाव भर गए हैं। हम देश को गुलामी की मानसिकता से मुक्त करके रहेंगे। यह मानसिकता इतनी हावी हो गई थी कि वर्षों तक भगवान राम को काल्पनिक बताया गया। ध्वजारोहण से पहले पीएम मोदी ने मोहन भागवत के साथ मंदिर की पहली मंजिल पर बने रामदरबार में पूजा और आरती की। इसके बाद रामलला के दर्शन किए। पीएम रामलला के लिए वस्त्र और चंवर लेकर पहुंचे थे। पीएम ने साकेत कॉलेज से रामजन्मभूमि तक डेढ़ किमी लंबा रोड शो भी किया। इस दौरान स्कूली छात्रों ने काफिले पर फूल बरसाए और जगह-जगह महिलाओं ने उनका स्वागत किया। पहले चर्चा थी कि ध्वजारोहण समारोह के लिए अमिताभ बच्चन समेत कई सेलिब्रिटीज को न्योता भेजा गया है, लेकिन कोई नहीं पहुंचा। चारों शंकराचार्यों को छोड़कर देशभर के मठों के संत मंदिर परिसर में मौजूद रहे। शहर को 1000 क्विंटल फूलों से सजाया गया।

हर कालखंड में राम के विचार ही हमारी प्रेरणा बनेंगे : पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा ...हर कालखंड में राम के विचार ही हमारी प्रेरणा बनेंगे। विकसित भारत की यात्रा को गति देने के लिए ऐसा रथ चाहिए, जिसके पहिये शौर्य और धैर्य हों। ऐसा रथ जिसकी ध्वजा नीति,नीयत से समझौता नहीं करे। ऐसा रथ जिसके घोड़े बल, विवेक, संयम और परोपकार हो। ऐसा रथ जिसकी लगाम क्षमा, करुणा और संभाव हो, जहां सफलता का अंहकार नहीं, असफलता में भी दूसरों के प्रति सम्मान बना रहे। यह पल कंधे से कंधा मिलाने का है, यह पल गति बढ़ाने का है। हमें वह भारत बनाना है जो रामराज्य से प्रेरित हो, यह तब ही संभव है स्वयं से पहले राष्ट्र हित होगा। जय सियाराम, जय सियाराम, जय सियाराम के उद्घोष के साथ संबोधन समाप्त किया। पीएम मोदी ने करीब 32 मिनट भाषण दिया।

जीत सत्य की होती है,असत्य की नहीं : मोदी

पीएम मोदी ने कहा... ध्वज सत्यमेव जयते का आह्वान करेगा। यानी जीत सत्य की होती है, असत्य की नहीं। यह ध्वज प्रतीक बनेगा कि सत्य ही ब्रह्म का स्वरूप है। सत्य में ही धर्म स्थापित है। यह ध्वज प्रेरणा रहेगा कि प्राण जाए पर वचन नहीं जाए, जो कहा जाए वही किया जाए। यह संदेश देगा कि कर्म प्रधान विश्व रचि राखा,विश्व में कर्म और कर्तव्य की प्रधानता हो। यह कामना करेगा कि भेदभाव, परेशानी से मुक्ति, समाज में शांति और सुख हो, यह धर्म हमें प्रेरित करेगा कि ऐसा समाज बनाएं जहां गरीबी, भूख या लाचार नहीं हो। जो लोग किसी कारण मंदिर नहीं आ पाते हैं, दूर से मंदिर के ध्वज को प्रणाम कर लेते हैं, उन्हें भी उतना ही पुण्य मिल जाता है। यह ध्वज भी मंदिर के ध्येय का प्रतीक है,यह दूर से ही रामलला की जन्मभूमि का दर्शन कराएगा। युगों-युगों तक राम के आदर्शों को मानव मात्र तक पहुंचाएगा। मैं संपूर्ण विश्व के रामभक्तों को इस क्षण की शुभकामना देता हूं, भक्तों को प्रमाण और दानवीर का आभार जिसने सहयोग किया। निर्माण से जुड़े सभी श्रमिक, कारीगर, वास्तुकार का भी अभिनंदन है।

जिन्होंने प्राण अर्पण किए,आज उनकी आत्मा तृप्त हुई : भागवत

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा...राम मंदिर आंदोलन में लोगों ने अपने प्राण अर्पण किए। आज उनकी आत्मा तृप्त हुई होगी। आज वास्तव में अशोक जी को वहां शांति मिली होगी। उन्होंने अपने प्राण अर्पण किए और अपना पसीना बहाया। जो पीछे रहे, वे भी मन में इच्छा करते रहे कि मंदिर बनेगा और आज मंदिर निर्माण की शास्त्रीय प्रक्रिया पूर्ण हो गई। ध्वजारोहण हो गया... हमने इसे अपनी आंखों से देखा है। रथ चलाने के लिए सात-सात घोड़े हैं, उन्हें नियंत्रित करने के लिए लगाम है। रस्सा नहीं है,सारथी नहीं है तो ऐसी गाड़ी नहीं चल सकती। शांति बांटने वाला भारतवर्ष खड़ा करना है.. .यही विश्व की अपेक्षा है।

पीढ़ियों की प्रतीक्षा साकार हुई : योगी

सीएम योगी ने कहा कि ध्वजारोहण यज्ञ की पूर्णाहुति नहीं,बल्कि नए युग का शुभारंभ है। भाजपा सरकार बनने पर 2014 में जिस संभावना, संकल्प और विश्वास का सूर्योदय हुआ, आज वही तपस्या और अनगिनत पीढ़ियों की प्रतीक्षा साकार हुई। श्रीराम मंदिर पर फहराता केसरिया ध्वज धर्म, मर्यादा,सत्य-न्याय और राष्ट्रधर्म का भी प्रतीक है। संकल्प का कोई विकल्प नहीं होता। सभी ने 11 वर्षों में बदलते भारत को देखा है। 500 वर्षों में साम्राज्य बदले, पीढ़ियां बदलीं,लेकिन आस्था अडिग रही। आस्था न झुकी, न रुकी। जन-जन का विश्वास अटल था। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जैसे संगठन के हाथों में कमान आई तो हर मुंह से एक ही उद्घोष निकलता था- रामलला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे। लाठी-गोली खाएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे।' एक समय था, जब वैभवशाली अयोध्या संघर्ष और बदहाली का शिकार बन चुकी थी लेकिन पीएम मोदी के नेतृत्व में अयोध्या उत्सवों की वैश्विक राजधानी बन रही है।

मुख्यमंत्री बिस्वा ने विधानसभा में कहा...

मशहूर सिंगर जुबिन गर्ग का हुआ था मर्डर...

नई दिल्ली,25 नवम्बर 2025। असम में मशहूर गायक जुबिन गर्ग की मौत अब एक बड़ा सवाल बन गई है। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा है कि जुबिन की हत्या की गई थी और जिन्होंने यह किया है,वे कानून से बच नहीं पाएंगे। शुरुआत में सिंगापुर प्रशासन ने इसे एक सामान्य हादसा बताया था और आधिकारिक पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में मौत का कारण पानी में डूबना बताया गया था,लेकिन अब असम सरकार ने इसे हत्या मानते हुए जांच शुरू कर दी है। असम विधानसभा में बोलते हुए हिमंता सरमा ने कहा कि शुरुआती जांच के बाद,असम पुलिस को यकीन था कि यह गैर-इरादतन हत्या का मामला नहीं था, बल्कि यह एक सीधी-सादी हत्या थी। सीएम सरमा ने दावा किया, 'आरोपियों में से एक ने गर्ग की हत्या की,और दूसरों ने उसकी मदद की। हत्या के मामले में चार से पांच लोगों पर मामला दर्ज किया जा रहा है।'असम और पूर्वोत्तर भारत की आवाज माने जाने वाले मशहूर गायक जुबिन गर्ग की मौत एक गंभीर रहस्य बनी हुई है। जुबिन गर्ग का निधन 19 सितंबर को सिंगापुर में हुआ था। जानकारी के अनुसार,जुबिन गर्ग नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल में हिस्सा लेने और परफॉर्म करने सिंगापुर गए थे। घटना के दिन वह सेंट जॉन आइलैंड के पास एक यॉट पर मौजूद थे और तैरने के लिए पानी में उतरे। बताया गया कि उन्होंने लाइफ जैकेट नहीं पहनी थी और सांस लेने में दिक्कत के बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

चुनाव आयोग अब बीजेपी आयोग बन गया : ममता

कहा...यह निष्पक्ष संस्था नहीं,मुझे चुनौती दी तो बीजेपी की नींव हिला दूंगी

बोनगांव,25 नवम्बर 2025। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने मंगलवार को कहा कि चुनाव आयोग अब निष्पक्ष नहीं रहा। यह 'बीजेपी आयोग' बन गया है। उन्होंने कहा कि अगर उन्हें बंगाल में चुनौती दी गई,तो वे पूरे देश में बीजेपी की नींव हिला देंगी। ममता बोनगांव में एंटी-एसआईआर रैली में को संबोधित कर रही थीं। ममता ने दावा किया कि यदि राज्य के मतुआ-बहुल क्षेत्रों में रहने वाले लोग नागरिकता (संशोधन) अधिनियम-सीएए के तहत स्वयं को विदेशी घोषित करते हैं, तो उन्हें तुरंत वोटर लिस्ट से हटा दिया जाएगा।

ममता ने पूछा...बीजेपी शासित राज्यों में एसआईआर क्यों

- अगर एसआईआर का मकसद अवैध बांग्लादेशियों को हटाना है,तो बीजेपी शासित राज्यों में एसआईआर क्यों कराया जा रहा है? क्या बीजेपी यह स्वीकार कर रही है कि उसके 'डबल इंजन' वाले राज्यों में भी घुसपैठिए मौजूद हैं? अगर बांग्लादेशी समस्या है, तो आप मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में 'एसआईआर' क्यों चला रहे हैं?
- एक बार एसआईआर के बाद आई ड्राफ्ट वोटर लिस्ट सामने आ जाएगी, तब लोग समझ जाएंगे कि चुनाव आयोग और बीजेपी ने कितना बड़ा 'विनाश' किया है। मुझे बांग्लादेश एक देश के रूप में बहुत पसंद है, क्योंकि हमारी भाषा एक जैसी है। मैं बीरभूम से हूं, लेकिन एक दिन वे मुझे बांग्लादेशी कहेंगे।
- प्रधानमंत्री मोदी को 2024 में इसी वोटर लिस्ट के आधार पर वोट मिले थे। अगर आपका नाम हटा दिया जाता है, तो केंद्र सरकार को भी हटा देना चाहिए। इतनी जल्दी में 'एसआईआर' क्यों चलाया जा रहा है? जब तक मैं यहां हूं, मैं उन्हें आपको बाहर नहीं निकालने दूंगी। कोई भी आपको बाहर नहीं निकाल सकता।
- अगर एसआईआर दो-तीन साल तक किया जाए, तो हम इस प्रक्रिया को हर संभव संसाधन के साथ समर्थन देंगे। बिहार चुनाव परिणाम एसआईआर का ही असर था, और विपक्ष बीजेपी की रणनीति को वहां समझ ही नहीं पाया।
- अगर बीजेपी बंगाल में मुझे चोट पहुंचाने की कोशिश करेगी, तो मैं पूरे भारत में उसकी नींव हिला दूंगी। भाजपा मुझें राजनीतिक रूप से न तो चुनौती दे सकती है और न ही हरा सकती है।

कर संग्रहण राष्ट्र निर्माण की आधारशिला,राजस्व अधिकारियों की भूमिका महत्वपूर्ण : राष्ट्रपति

नई दिल्ली,25 नवम्बर 2025। भारतीय राजस्व सेवा (कस्टम्स एवं अप्रत्यक्ष कर) के 76वें बैच के अधिकारी प्रशिक्षुओं ने मंगलवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से राष्ट्रपति भवन में भेंट की। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि कर संग्रहण राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है और राजस्व सेवा अधिकारी देश की आर्थिक सीमाओं के सजग प्रहरी हैं। राष्ट्रपति ने अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि कर से प्राप्त राजस्व से देश में आधारभूत संरचना,शिक्षा,स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण जैसी महत्वपूर्ण योजनाएं संचालित होती हैं। ऐसे में अधिकारी केवल प्रशासनिक भूमिका ही नहीं निभाते, बल्कि राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार भी होते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि कर संग्रहण की प्रक्रिया करदाताओं के लिए सहज और न्यूनतम असुविधा वाली होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राजस्व सेवा अधिकारियों को प्रशासक, अन्वेषक, व्यापार के सुगमी करणकर्ता और कानून प्रवर्तनकर्ता के रूप में कई जिम्मेदारियां निभानी होती हैं। वे तस्करी, आर्थिक धोखाधड़ी और अवैध व्यापार के विरुद्ध देश की रक्षा करते हुए वैध व्यापार और वैश्विक आर्थिक साझेदारी को प्रोत्साहित करते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि उनकी भूमिका में कानून प्रवर्तन और व्यापार सुगमता के बीच संतुलन रखना अत्यंत आवश्यक है।

संविधान दिवस समारोह 26 नवंबर को संविधान सदन में होगा आयोजित

नई दिल्ली,25 नवम्बर 2025। केंद्र सरकार संविधान दिवस (26 नवंबर) पर यहां संविधान सदन के सेंट्रल हॉल में राष्ट्रीय समारोह आयोजित करेगी। सुबह 11 बजे से शुरू होने वाले इस कार्यक्रम में संवैधानिक मूल्यों और लोकतांत्रिक परंपरा को देश-दुनिया तक पहुंचाने के लिए तमाम कार्यक्रम होंगे। इसमें पंचायत से लेकर संसद तक व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। संसदीय कार्य मंत्रालय के अनुसार, समारोह की अध्यक्षता राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु करेंगी। उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, लोकसभा अध्यक्ष,केंद्रीय मंत्री तथा संसद के दोनों सदनों के सदस्य कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की शुरुआत लोकसभा अध्यक्ष और उपराष्ट्रपति के संबोधन से होगी, जिसके बाद राष्ट्रपति मुर्मु उद्बोधन देंगी। समारोह के दौरान संविधान दिवस के उपलक्ष्य में विधायी विभाग द्वारा तैयार संविधान के नौ भाषाई डिजिटल संस्करण- मलयालम,मराठी,नेपाली,पंजाबी,बोडो,कश्मीरी,तेलुगु,ओडिया और असमिया में लॉन्च किए जाएंगे। संस्कृति मंत्रालय द्वारा तैयार स्मरणिका 'भारत की संविधान से कला और कैलीग्राफी' (हिंदी संस्करण) भी जारी की जाएगी। कार्यक्रम में राष्ट्रपति की अगुवाई में प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया जाएगा।

बिहार के शेखपुर में हुए सड़क हादसे में 6 लोगों की मौत,4 गंभीर रूप से घायल

पटना,25 नवम्बर 2025। बिहार के शेखपुरा जिले में मंगलवार को राष्ट्रीय राजमार्ग 33-ए पर एक भीषण सड़क हादसा हुआ, जिसमें ट्रक और ऑटो की जोरदार टक्कर में 6 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 4 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए नालंदा जिले के पावापुरी स्थित वर्द्धमान मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल रेफर किया गया है। पुलिस ने बताया कि गंभीर रुप से घायल चारों की स्थिति गंभीर है। बेहतर इलाज के लिए उन्हें नालांदा जिले के पावापुरी स्थित वर्द्धमान मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के लिए रेफर किया गया है। पुलिस के मुताबिक हादसा शेखपुरा-सिकंदरा रोड पर मनिंडा गांव के पास हुआ, जो नेशनल हाईवे 33-ए का हिस्सा है। शेखपुरा जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) बलिराम कुमार चौधरी ने हादसे की पुष्टि की और कहा कि शवों को सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस भीषण दुर्घटना पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि यह बेहद दुखद घटना है। उन्होंने इस हादसे में घायल लोगों के समुचित इलाज का निर्देश दिया।

आने वाले दशक में भारत शिपबिल्डिंग, शिप रिपेयर और समुद्री इनोवेशन का ग्लोबल हब बनेगा : राजनाथ

नई दिल्ली,25 नवम्बर 2025। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भरोसा जताया है कि आने वाले एक दशक में भारत शिपबिल्डिंग, शिप रिपेयर और समुद्री इनोवेशन के लिए एक ग्लोबल हब बनेगा। उन्होंने कहा कि आज हम एयरक्राफ्ट कैरियर से लेकर एडवांस्ड रिसर्च वेसल और एनर्जी बचाने वाले कमर्शियल जहाज तक सब कुछ डिलीवर करने में सक्षम हैं। दुनिया के समुद्री इतिहास में भारत की छाप है। हमारे पुरखों के लिए समुद्र सरहद नहीं थे,वे सांस्कृतिक,आर्थिक और स्ट्रेटेजिक जुड़ाव के पुल थे। आज इस विरासत का सम्मान करते हुए हम पुरानी यादों से पीछे मुड़कर नहीं देखते,बल्कि हम एक मकसद के साथ आगे देखते हैं। रक्षा मंत्री मंगलवार को नई दिल्ली में 'समुद्र उत्कर्ष' सेमिनार को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारे पुरखों ने न सिर्फ मसालों,कपास और मोतियों का व्यापार किया,बल्कि वे महाद्वीपों के पार विचार, मूल्य और संस्कृति भी ले गए। भारत के लिए समुद्री व्यापार पर निर्भरता खास तौर पर ज्यादा है। भारत का लगभग 95 फीसदी व्यापार वॉल्यूम के हिसाब से और लगभग 70 फीसदी वैल्यू के हिसाब से समुद्री रास्तों से होता है। ऐसा हिंद महासागर में भारत की स्ट्रेटेजिक लोकेशन और 7,500 किमी.लंबी कोस्टलाइन की वजह से भी है। ट्रांसपोर्टेशन का यह तरीका महाद्वीपों के बीच बल्क कार्गो ले जाने, ग्लोबल सप्लाई चेन को आसान बनाने और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्थाओं को सपोर्ट करने का सबसे सस्ता और कुशल तरीका बना हुआ है। उन्होंने कहा कि हाल ही में हमने म्यांमार भूकंप के दौरान 'ऑपरेशन ब्रह्मा' लॉन्च किया, जिसमें भारतीय जहाज सतपुड़ा, सावित्री, घड़ियाल, करमुक जैसे स्वदेशी प्लेटफॉर्म तैनात किए गए, जिनसे बड़े पैमाने पर ज़रूरी मानवीय राहत पहुंचाई गई। भारत में बने प्लेटफॉर्म ने बार-बार दिखाया है कि वे सिर्फ देश की रक्षा ही नहीं, बल्कि इंसानियत की भी सेवा करते हैं।

संपादकीय

एसआईआर विरोधी स्वर

काम सही तरह होना कहीं अधिक आवश्यक

यह अच्छा हुआ कि चुनाव आयोग ने 12 राज्यों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) की प्रक्रिया में शामिल बूथ स्तर के अधिकारियों अर्थात बीएलओ की आत्महत्याओं की खबरों का संज्ञान लिया और संबंधित राज्यों से रिपोर्ट मांगी। राज्य निर्वाचन अधिकारियों को सबसे पहले तो इन खबरों की तह तक जाना होगा, ताकि पता लग सके कि उन्होंने काम के दबाव में आकर अपनी जान दी या फिर वे स्वाभाविक मृत्यु का शिकार बने।

यह स्पष्टता हासिल करना इसलिए भी आवश्यक है, क्योंकि कई विपक्षी नेता और विशेष रूप से बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी यह माहौल बना रही हैं कि एसआइआर के चलते बड़ी संख्या में बीएलओ आत्महत्या कर रहे हैं। कुछ विपक्षी नेता इसी बहाने एसआइआर को अनावश्यक बताते हुए उसे वोट चोरी की संज्ञा दे रहे हैं।

चुनाव आयोग को एसआइआर को लेकर बनाए जा रहे इस नकारात्मक अभियान से सतर्क रहना होगा। यह ठीक नहीं कि विपक्षी दल मतदाता सूचियों में गड़बड़ी का भी उल्लेख करें और एसआइआर के खिलाफ भी खड़े होना पसंद करें।

यह सही है कि एसआइआर अपेक्षाकृत एक श्रमसाध्य प्रक्रिया है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि उसे कराया ही न जाए। इस प्रक्रिया में सबसे महती भूमिका बीएलओ की होती है। उन्हें घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन करना होता है। यह देखने में आया है कि बीएलओ बनने वाले कई कर्मचारी इस काम को एक बोझ की तरह लेते हैं। उनकी पहली कोशिश बीएलओ बनने से बचने की होती है। यह ठीक नहीं।

यह तो कुछ वैसे ही है, जैसे सैनिक मोर्चे पर जाने से मना करें। यदि हर कोई एसआइआर करने से बचना चाहेगा तो फिर एक जरूरी काम होगा कैसे? सही ढंग से चुनाव तभी हो सकते हैं, जब मतदाता सूचियां दुरुस्त हों और इसके लिए एसआइआर किया जाना आवश्यक है। अब जब चुनाव आयोग बीएलओ की समस्याओं से परिचित होने के लिए आगे आया है, तब फिर उसे यह खास तौर से देखना होगा कि उनकी परेशानी का कारण प्रशिक्षण का अभाव या फिर किसी तरह की तकनीकी समस्या आड़े आना तो नहीं?बंगाल में एक बीएलओ की आत्महत्या के मामले में यह सामने आया कि उसने आवश्यक जानकारी तो जुटा ली थी, लेकिन स्पष्ट निर्देशों के अभाव में उसे अपलोड नहीं किया था। चुनाव आयोग को यह देखना होगा कि बीएलओ की छोटी-बड़ी सभी समस्याओं का समाधान हो और वे सही निर्देशों के अभाव या तकनीकी बाधा के चलते तनाव का शिकार न होने पाएं। हालांकि, चुनाव आयोग ने बीएलओ और अन्य अधिकारियों का मानदेय बढ़ाया है, लेकिन उसे काम के दबाव के पीछे के कारणों की पड़ताल भी करनी होगी। जहां समस्या हो, वहां उसे समयसीमा में ढील देने पर भी विचार करना चाहिए, क्योंकि यह काम सही तरह होना कहीं अधिक आवश्यक है।

हमेशा ऑनलाइन' रहने के मायाजाल की दौड़ में थकते युवा

डिजिटल पहचान की अंधी प्रतिस्पर्धा ने मानसिक स्वास्थ्य,सामाजिक जीवन और वास्तविक अनुभवों को संकट में डाल दिया है...

"सोशल मीडिया का बढ़ता प्रभाव युवाओं के मानसिक संतुलन और जीवनशैली पर गहरा असर डाल रहा है। लाइक,व्यूज़ और फॉलोअर्स की प्रतिस्पर्धा ने उन्हें एक अदृश्य दबाव में धकेल दिया है,जहाँ डिजिटल मान्यता ही आत्मविश्वास का आधार बनती जा रही है। घंटों स्क्रोल करना, हर पल ऑनलाइन बने रहना और दूसरों से तुलना करना तनाव,अनिद्रा,चिंता और अकेलेपन को जन्म दे रहा है। वास्तविक रिश्ते,संवाद और अनुभव स्क्रीन के पीछे छूटते जा रहे हैं। समाधान डिजिटल अनुशासन,सीमित उपयोग, नोटिफिकेशन नियंत्रण और वास्तविक दुनिया को प्राथमिकता देने में है। संतुलन ही मानसिक शांति का आधार है।"

डॉ. सत्यवान सौरभ
बड़वा (सिवानी) भिवानी,हरियाणा

आज का भारतीय समाज एक ऐसे संक्रमणकाल से गुजर रहा है जहाँ तकनीक अवसर भी दे रही है और संकट भी खड़ा कर रही है। सोशल मीडिया का तेजी से बढ़ता दायरा इस संक्रमणकाल का सबसे बड़ा प्रतीक है। फेसबुक, इंस्टाग्राम,यूट्यूब,एक्स और अन्य प्लेटफॉर्म ने आम लोगों को वह मंच दिया है, जिसकी कल्पना कुछ दशक पहले संभव नहीं थी। लेकिन यह सशक्तिकरण जितनी उम्मीदें लेकर आया था, उतने ही उलझाव उसने मनोवैज्ञानिक और सामाजिक स्तर पर पैदा कर दिए हैं। युवा पीढ़ी लाइक,व्यूज़,फॉलोअर्स और डिजिटल सेलिब्रिटी बनने की सतही चाह में उलझकर मानसिक थकान और सामाजिक दूरी के ऐसे भंवर में फंसती जा रही है जो दिखाई तो नहीं देता, पर भीतर तक कमजोर कर रहा है। भारत में सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं की संख्या 50 करोड़ पार कर चुकी है–यह दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल समुदायों में से एक है। यह संख्या जितनी विशाल है, उससे कहीं अधिक विशाल है वह दबाव, जो इसने युवाओं के मन पर डाला है। सुबह उठते ही फोन उठाकर रात को आंख बंद होने तक स्क्रीन पर स्क्रोल करते रहने की आदत आज सामान्य लगती है, लेकिन यह सामान्यता ही सबसे बड़ा खतरा बन चुकी है। लाइक-व्यूज़ के माध्यम से मान्यता पाने की चाह युवाओं को धीरे-धीरे वास्तविक जीवन से काट रही है।

सोशल मीडिया का सबसे आकर्षक और सबसे खतरनाक पहलू यह है कि यह एक समानांतर दुनिया रचता है–एक ऐसी दुनिया जहाँ आप अपनी इच्छानुसार छवि गढ़ सकते हैं,अपनी वास्तविकता से अलग व्यक्तित्व प्रदर्शित कर सकते हैं और अपनी जिंदगी को चमकदार फ्रेम्स में पिरो सकते हैं। लेकिन इस दुनिया में स्वीकृति की कीमत बहुत भारी है। कुछ सेकंड का ध्यान पाने के लिए लगातार नए पोस्ट,नई तस्वीरें,नए रील्स और नई अभिव्यक्तियाँ देनी पड़ती हैं। युवाओं में यह दबाव बढ़ रहा है कि यदि उनकी पोस्ट को पर्याप्त लाइक या व्यूज़ नहीं मिले,तो वे किसी अदृश्य प्रतियोगिता में पिछड़ गए हैं। यह डिजिटल पहचान की एक ऐसी प्रतिस्पर्धा है जिसमें न कोई स्पष्ट लक्ष्य है, न कोई अंत,और न ही कोई वास्तविक विजेता। हर युवा अपनी ही छवि की तुलना दूसरों से करता है। किसी और की मुस्कुराहट,जीवनशैली,शरीर,छुट्टियाँ, करियर,रिश्ते–सब कुछ तुलना का आधार बन जाता है। यह तुलना आत्म-सम्मान को चोट पहुंचाती है और धीरे-धीरे युवा महसूस करने लगते हैं कि वास्तविक जीवन में जितना वे पाते हैं, वह पर्याप्त नहीं है।कई सर्वे बताते हैं कि 18-34 आयु वर्ग के 59 प्रतिशत युवा स्वीकार करते हैं कि सोशल मीडिया उनके मानसिक संतुलन को प्रभावित कर रहा है। इनमें चिंता,तनाव,अनिद्रा,ओवर थिंकिंग, अत्यधिक उत्तेजना और आत्म-संदेह जैसी समस्याएँ तेजी से बढ़ रही हैं। युवाओं के दिमाग में हर समय दो सवाल घूमते रहते हैं–इस पोस्ट पर कितने लाइक आए? लोग मेरे बारे में क्या सोच रहे होंगे? इन सवालों का बोझ इतना बढ़ चुका है कि वास्तविक उपलब्धियाँ भी कई बार डिजिटल प्रतिक्रिया के बिना युवा को अधूरी लगती हैं। आत्मविश्वास की नींव खुद के मूल्य पर नहीं, बल्कि दूसरों की डिजिटल स्वीकृति पर टिकने लगती है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि सोशल मीडिया पर अधिक समय बिताने वाले युवाओं में अवसाद और अकेलेपन की समस्या तेजी से बढ़ी है। बाहर से वे कनेक्टेड दिखते हैं, लेकिन भीतर वे अत्यधिक अलगाव महसूस करते हैं। वास्तविक बातचीत में कमी आने से भावनात्मक अभिव्यक्ति भी कमजोर हो गई है।

आज कई परिवारों में यह आम दृश्य है कि भोजन की मेज पर बैठे सभी लोग मोबाइल स्क्रीन में झुके हैं। माता-पिता कभी समझ नहीं पाते कि बच्चे किस पोस्ट को बनाने में इतना वक्त लगा रहे हैं, या क्यों एक तस्वीर को कई बार परफेक्ट एंगल से लेना आवश्यक है। युवा पीढ़ी की भावनाएँ,संवाद शैली और प्राथमिकताएँ तेजी से डिजिटल स्वरूप में बदल रही हैं,जबकि बुजुर्ग अभी भी वास्तविक संवाद और संबंधों को महत्व देते हैं। इस पीढ़ीगत अंतर ने परिवारों को भावनात्मक रूप से दूर कर दिया है।दोस्तों के साथ घूमने जाना अब एक अनुभव नहीं, बल्कि कंटेंट बनाने का अवसर बन गया है। हर जगह पोस्ट करने लायक तस्वीर ढूंढना मानो एक अनिवार्य कार्य बन गया है। रिश्ते धीरे-धीरे वास्तविकता से हटकर प्रदर्शन के माध्यम बन रहे हैं। कई युवा स्वीकार करते हैं कि वे सोशल मीडिया पर दिखने वाले परफेक्ट रिश्तों से प्रभावित होकर अपने संबंधों को लेकर अनावश्यक उम्मीदें पाल लेते हैं, जो बाद में निराशा का कारण बनती हैं।

सोशल मीडिया की सबसे बड़ी समस्या है–हमेशा उपलब्ध रहने का दबाव। नोटिफिकेशन की लगातार झंकार,मैसेज का तुरंत जवाब देने की आदत, किसी नए ट्रेंड में पीछे न छूटने का डर, और हर समय अपडेटेड दिखने की चाह युवाओं की मानसिक ऊर्जा को धीरे-धीरे खत्म कर रही है। डिजिटल थकान आज एक वास्तविक समस्या बन चुकी है। कई युवा रात को देर तक नींद नहीं ले पाते क्योंकि उन्हें लगता है कि वे कुछ मिस कर देंगे। दिन में उनकी एकाग्रता भंग रहती है क्योंकि दिमाग हर समय स्क्रीन की ओर खिंचता रहता है। यह चक्र अंतहीन है और जितना समय बढ़ता है, उतनी थकान गहराती जाती है।

प्लेटफॉर्म्स का उद्देश्य सरल है–उपयोगकर्ता को जितना अधिक समय स्क्रीन पर रोके रखा जाए,उतना अधिक लाभ। एल्गोरिद्म इस तरह डिजाइन किए जाते हैं कि उपयोगकर्ता स्क्रोल करना बंद ही न करे। वीडियो एक के बाद एक चलते रहते हैं,नोटिफिकेशन लगातार आकर्षित करते रहते हैं और कंटेंट का चयन इस प्रकार किया जाता है कि उपयोगकर्ता को लगे–बस थोड़ा और। इस रणनीति का सबसे अधिक प्रभाव युवा दिमागों पर पड़ता है, जो अभी भावनात्मक और बौद्धिक रूप से परिपक्व हो रहे होते हैं। उन्हें यह समझ नहीं आता कि सोशल मीडिया की यह दुनिया उनके समय,ऊर्जा और आत्मसम्मान को लगातार प्रभावित कर रही है।समस्या जितनी बड़ी है,उसका समाधान भी उतना ही व्यवहारिक है–डिजिटल अनुशासन। युवाओं को प्रतिदिन एक निश्चित समय तय करना चाहिए–इससे आदतें नियंत्रित होंगी और थकान कम होगी। अनावश्यक नोटिफिकेशन बंद करने से मन पर होने वाला दबाव कम होता है। खुद को दूसरों के बनाए 'हाइलाइट रील' से तुलना करना बंद करना जरूरी है। परिवार,दोस्तों,किताबों,प्रकृति,खेल और रचनात्मक गतिविधियों पर ध्यान देना सकारात्मक ऊर्जा देता है। स्कूलों-कॉलेजों में डिजिटल व्यवहार और मानसिक स्वास्थ्य पर पाठ्यक्रम जोड़ना समय की मांग है।

भारतीय परिवारों में संपत्ति से जुड़ी समस्याएं जटिल हैं...

डॉ.मुश्ताक़ अहमद शाह

मामलों में गलतफहमी और नापसंदगी के चलते आपसी संवाद संपन्न नहीं कर पाते। कानूनी दृष्टिकोण से विवादों का समाधान पारिवारिक संवाद, मध्यस्थता, और यदि आवश्यक हो तो अदालत के माध्यम से किया जाता है। परिवार के बीच सहमति से संपत्ति का बंटवारा विवादों को रोकने का सबसे अच्छा तरीक़ा माना जाता है।ऐसे विवादों में न केवल परिवार के रिश्ते प्रभावित होते हैं, बल्कि मनोवैज्ञानिक और सामाजिक स्तर पर भी चोट लगती है। इसलिए, परिवार की संपत्ति से जुड़े मामलों को आपसी विश्वास और परिवार के सम्मान को बनाए रखते हुए सुलझाने का प्रयास करना चाहिए। यह आवश्यक है कि परिवार के सदस्य अपने फ़र्ज़ और ज़िम्मेदारी को समझें और लालच तथा स्वार्थ से ऊपर उठकर परिवार की भलाई के लिए काम करें। अगर परिवार में यह समझदारी बनी रहे तो संपत्ति विवाद से उत्पन्न त्रासदी को रोका जा सकता है।इस प्रकार भारतीय परिवारों में संपत्ति से जुड़ी समस्याएं जटिल हैं और उन्हें संवेदनशीलता से संभालने की जरूरत होती है। परिवार के प्रति सम्मान, उचित संवाद, और समझौते की भावना से ही सही मायनों में परिवार को धन और रिश्तों दोनों की मज़बूती मिलती है।

संविधान ही है लोक एवं देश का मार्गदर्शक

परिवार देश की लघुतम इकाई होती है। परिवार से मिलकर ही एक वृहत् समाज की रचना सम्भव होती है। प्रत्येक घर-परिवार एवं समाज में सदस्यों के कार्य व्यवहार एवं आचरण हेतु एक अलिखित नियमावली या संहिता होती है। परिवार एवं समाज अपने सदस्यों से अपेक्षा रखता है कि समाज की बेहतरी के लिए सभी जन इन नियमों का पालन करते हुए तालमेल एवं संगति से ही कार्य संपादन करेंगे।

नियमानुकूल आचरण कर समाज की विकास धारा को गतिशील रखते हुए उसे समृद्धि प्रदान करेंगे। नियमों में आबद्ध लोक अपनी कार्य संस्कृति से सतत ऊर्ध्वगामी यात्रा करता है। नियमानुशासित लोकाचरण से समाज में सद्वृत्ति, सद्नीति, शुचिता, सत्यान्वेषण, सहकार, समन्वय,सख्यभाव एवं सद् संस्कारों का बीजवपन, पल्लवन एवं फलन होता है और अराजकता,अनैतिकता, अशौच, अनीति के लिए कोई स्थान शेष नहीं होता। इन नियमों के परिनिष्ठित,परिमार्जित, प्रांजल लिखित स्वरूप को देश के संदर्भ में संविधान संज्ञा से अभिहित किया जाता है जिसमें लोक की शक्ति निहित होती है और जो विधायिका से अनुमोदित होता है। हम कह सकते हैं कि संविधान व्यष्टि से समष्टि की एक सुखाकांक्षी यात्रा है जिसमें लोक कल्याणकारी एवं समतामूलक समाज रचना के सूत्र आधार रूप में विद्यमान होते हैं। संविधान लोकमंगल, लोक सुख-समृद्धि एवं लोकचेतना का उद्घोष करता है। भारत में हम 26 नवम्बर को संविधान दिवस के रूप में मनाकर न केवल संविधान बनाने वाले डॉ. भीमराव अम्बेडकर एवं अन्य विधि वेत्ताओं के योगदान एवं प्रयासों को स्मरण कर श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं बल्कि देश में एकता एवं अखंडता के लिए परस्पर बंधुत्व भाव के प्रसार के लिए भी संकल्पित हो कटिबद्ध होते हैं।

प्रमोद दीक्षित मलय
बाँदा,उत्तरप्रदेश

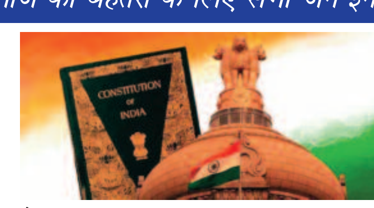

संविधान दिवस को राष्ट्रीय विधि दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। भारत का संविधान विश्व में सबसे बड़ा संविधान है। मूल संविधान में 395 अनुच्छेद और 12 अनुसूचियां थीं। वर्तमान में 448 अनुच्छेद एवं 12 अनुसूचियां है जो 25 भागों में विभाजित है। समिति ने भारतीय संविधान को पूर्ण करने में 2 वर्ष, 11 महीने, 18 दिन समय लिया और 166 दिन बैठक कर 114 दिन बहस किया था। संविधान सभा की पहली बैठक दिसम्बर 1946 में हुई थी।

भारत का संविधान लचीला है और कठोर भी। लचीला इस संदर्भ में कि संसद कुछ कानूनों में सामान्य बहुमत से संशोधन कर सकती है लेकिन कुछ प्रावधानों में संशोधन हेतु राज्य सरकारों की सहमति एवं दो-तिहाई बहुमत आवश्यक है। संविधान में पहला संशोधन 1951 में हुआ था और अब तक 100 से अधिक संशोधन हो चुके हैं। संविधान की प्रस्तावना न केवल संविधान का परिचयात्मक खंड है बल्कि दार्शनिक आधार भी। प्रस्तावना का आरंभ वाक्यांश 'हम भारत के लोग' से होता है अर्थात संविधान लोक के शक्ति का प्रतिबिंब है। भारत को संपूर्ण प्रभुत्व संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष एवं लोकतांत्रिक गणराज्य घोषित किया गया है। समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक,राजनीतिक,न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता प्राप्त है। संविधान सभी नागरिकों को प्रतिष्ठा और अवसर की समता भी देता है। व्यक्ति की गरिमा एवं राष्ट्र की अखंडता हेतु वह बंधुत्वभाव को महत्वपूर्ण मानते हुए तदनुकूल आचरण की अपेक्षा करता है। नीति निर्देशक तत्व को संविधान की आत्मा कहा गया है। भारत का संविधान 26 नवंबर 1949 को, मिति मार्गशीर्ष शुक्ल सप्तमी, सम्वत् 2006 विक्रमी को अंगीकृत किया गया था। इस दिन को स्मरण रखने और डॉ. भीमराव अंबेडकर के योगदान के प्रचार प्रसार हेतु भारत सरकार द्वारा 2015 में डॉ. अंबेडकर की 125वीं जयंती के अवसर पर मुंबई में उनकी स्टैच्यू आफ इक्वलिटी मेमोरियल की आधारशिला रखने के दौरान घोषणा की गई थी। और तब से प्रत्येक वर्ष 26 नवंबर को संपूर्ण देश में सरकारी और गैर सरकारी स्तर पर संविधान दिवस मना कर देश भीमराव अंबेडकर को स्मरण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता है। हालांकि अंबेडकर के प्रयासों को सामान्य जनमानस तक पहुंचाना एवं देश में भाईचारे की भावना बढ़ाने के उद्देश्य से यह दिवस हम पहले भी मनाते रहे हैं। संविधान बनाने हेतु संविधान सभा की मांग सर्वप्रथम 1934 में की गई थी जिसे ब्रिटिश सरकार ने 1940 में मान लिया था। 29 अगस्त, 1947 को भारत के संविधान का मसौदा तैयार करने की समिति की स्थापना की गई थी और प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ. भीमराव अंबेडकर चुने गए थे। संविधान सभा में विभिन्न रियासतों से 389 सदस्य थे लेकिन देश विभाजन के बाद 299 सदस्य ही बचे। हमारा संविधान लोक के लिए स्वतंत्रता,न्याय, समानता, बंधुत्व एवं सह-अस्तित्व का लक्ष्य लेकर चल रहा है जिसे प्राप्त करने का उपाय लोकतांत्रिक समाजवादी राज्य रचना है। राजनीतिक न्याय के लिए एक व्यक्ति के एक वोट निश्चित है। उसका एक वोट सरकार के निर्माण में सहायक है और देश के विकास में भी। एक वोट का क्या महत्व है इसको हम प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेई की सरकार का 1 वोट से गिर जाने से समझ सकते हैं। लोक की समृद्धि में ही राष्ट्र की समृद्धि है और समृद्धि के लिए आवश्यक है परस्पर प्रेम, सद्भाव,माधुर्य, जहां गैर बराबरी के लिए कोई जगह न हो, जहां एक धरातल पर अवस्थित हो सभी अपनी पात्रता, क्षमता एवं रुचि-सुविधानुसार कार्य कर सकें। जहां मानव मानव में कोई भेदभाव की दीवार न हो। इसीलिए अस्पृश्यता एवं उपाधियों का उन्मूलन किया गया है। भारत का संविधान प्रत्येक नागरिक को पूर्ण स्वतंत्रता देता है। लेकिन एक नागरिक की स्वतंत्रता एवं अधिकार दूसरे नागरिक की स्वतंत्रता एवं अधिकार के उल्लंघन का निषेध करता है। हमारी स्वतंत्रता अन्य की स्वतंत्रता में बाधक नहीं बन सकती। हम कल्याणकारी समतामूलक समाज रचते हुए देश को संपूर्ण विश्व में प्रेम, सद्भाव, अहिंसा, शांति, समृद्धि का ध्वजवाहक सिद्ध कर सकने में यथासामर्थ्य कटिबद्ध होकर कर्मरत होंगे, यही हम सबका शुभसंकल्प होगा।

डॉ. प्रितम भि. गेडाम

सांसों से बढ़कर दुनिया में कुछ है?

मनुष्य के जीवन का आधार पर्यावरण है, अगर पर्यावरण सुरक्षित होगा तो ही, जीवसृष्टी का संरक्षण संभव हैं। हमारे आसपास के वातावरण में मौजूद आवश्यक तत्वों की मौजूदगी पर्यावरण का अमूल्य हिस्सा है, जैसे-हवा,पानी, धूप,पहाड़,नदियां,समुद्र,जंगल, पेड़-पौधे,पशु-पक्षी,जमीन, आकाश, धातु, खनिज, हिमखंड व अन्य मिलकर पर्यावरण के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाकर पृथ्वी पर जीवन को संभव बनाते हैं। यह तत्व भी एक-दूसरे के पूरक होते है एवं हमारे जीवन के प्रत्येक गतिविधि पर असर डालते हैं। पर्यावरण हमारे लिए सबसे ज्यादा जरूरी है,इसकी रक्षा अर्थात मनुष्य जीवन की रक्षा है, परंतु कई बार विकास के नाम पर,भ्रष्टाचार, अपराध, लापरवाही और स्वार्थ के कारण हमारा पर्यावरण बेहद तेजी से बर्बाद हुआ हैं। जिसके कारण जानलेवा बीमारियों ने तेजी से पैर पसारे है और असमय मौत की घटनाओं में बेतहाशा वृद्धी हुयी हैं। अब बीमारियां उम्र के हिसाब से नहीं बल्कि प्रदूषण और खराब जीवनशैली के हिसाब से होती हैं। आज देश में शुद्ध हवा पानी भोजन और सुख-शांति से जीने के लिए पोषक वातावरण मिलना दुर्लभ हो रहा हैं। इसी समस्या के प्रति जागरूकता हेतु पर्यावरण बचाने के लिए हर साल 26 नवंबर को विश्व पर्यावरण संरक्षण दिवस पूरी दुनिया में मनाया जाता हैं।

हमारे देश में पाश्चात्य देशों की तुलना में बहुत अधिक प्रदूषण, लोगों में लापरवाही,अपराधवृत्ति, स्वार्थ और सहने की आदत हैं। हमारे आसपास के छोटे-छोटे देश भी पर्यावरण के संरक्षण में हमसे आगे है, उदाहरण के लिए भूटान देश अपने प्राकृतिक सौंदर्य को बेहतर ढंग से संजोकर आगे बे रहे है,जिसका असर वहां के नागरिकों के सेहत पर भी नजर आता हैं। विकसित राष्ट्रों में सख्त नियम-कानून का कड़ाई से पालन किया जाता है,ताकि पर्यावरण को नुकसान न हों,पर्यावरण संरक्षण के प्रति वहां सरकार सख्ती से पेश आती है और जनता को भी परेशानी न हों, उसका भी खास ख्याल रखा जाता है, संभावित विविध पर्यायों का क्रियान्वयन किया जाता हैं। ऐसे माहौल में जनता भी सरकार के पर्यावरण और स्वास्थ्य पूरक बेहतर कार्यों में पूरा सहयोग देती है,इसके मुकाबले हम आज भी बहुत पिछड़े हुए नजर आते है,जीवन के लिए सबसे आवश्यक शुद्ध वातावरण है, लेकिन हम आज भी पर्यावरण को खराब करने पर तुले हुए हैं। जागरूकता केवल दिन विशेष पर और दिखावे के लिए की जाती है,ऐसा अक्सर प्रतीत होता हैं।

हमारे शहरों से बहने वाली अधिकाधिक नदियों का स्वरूप नालों की भांति नजर आता है, अरबों रुपये खर्च कर नदियों के स्वच्छता के दावो की सच्चाई भी हम देखते है, भ्रष्टाचार और लीपापोती का साम्राज्य पर्यावरण को तेजी से बर्बाद कर रहा हैं। स्विस कंपनी आयक्यूएअर द्वारा जारी वर्ल्ड एयर क्वालिटी रिपोर्ट 2024 में भारत को दुनिया का पांचवा सबसे प्रदूषित देश बताया गया है। दिल्ली दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी हैं। दुनिया के 10 सबसे प्रदूषित शहरों में से 6 और शीर्ष 20 में से 13 शहर भारत में हैं। हाल ही के अध्ययन अनुसार, एयर पॉल्यूशन से भारत में हर साल 1.7 मिलियन से 2 मिलियन लोगों की मौत होती हैं। स्टेट ऑफ़ ग्लोबल एयर 2025 रिपोर्ट के मुताबिक 2023 में करीब 2 मिलियन मौतें और 2022 की लैंसेट रिपोर्ट के मुताबिक 1.7 मिलियन से ज़्यादा मौतों का अंदाज हैं। आउटडोर और इनडोर एयर पॉल्यूशन की वजह से दिल की बीमारी,स्ट्रोक और सीओपीडी जैसी नॉन-कम्युनिकेबल बीमारियों से होने वाली मौतें होती हैं। इसी प्रकार जल प्रदूषण,प्लास्टिक प्रदूषण, मृदा प्रदूषण और अस्वच्छता के कारण बड़ी मात्रा में असमय मासूम जिंदगियां छीन जाती है, साथ ही बीमारियों का जंजाल तन-मन के साथ-साथ जीवन के हर स्थिति पर गंभीर आघात करता हैं। रेडियोधर्मी प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण,तापीय प्रदूषण, प्रकाश प्रदूषण हमें मौत के आगोश में धकेलता हैं।

अगर आप अपनी गलतियों से सीख लेते हैं तो ये गलतियां आपके लिए सीढ़ी है

-डॉ. अब्दुल कलाम-

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

बिरयानी सेंटर में ग्राहक पर चाकू से हैवानियत!

6 बदमाशों का गिरोह सीसीटीवी में कैद...युवक पर ताबड़तोड़ वार,हालत नाजुक

- बिरयानी सेंटर पर ग्राहक पर चाकू–लोग खड़े देखते रहे...
- क्या अब सड़कों पर हैवानियत ही देखनी पड़ेगी?
- कानून कहाँ है? सुरक्षा किसकी जिम्मेदारी है?

-संवाददाता-
अंबिकापुर 25 नवम्बर 2025
(घटती-घटना)।

शहर में चाकूबाजी,गुण्डागर्दी व असामाजिक त तत्वों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है और पुलिस की कार्रवाई सिर्फ कागजों में दिख रही है,सोमवार रात खरसिया चौक स्थित जमजम बिरयानी सेंटर में 6 से अधिक बदमाशों ने एक युवक पर जानलेवा हमला कर पूरे शहर को दहशत में डाल दिया, पूरी वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में साफ कैद हुई है, फिर भी बदमाश मौके से फरार हो गए। शहर के बीचों-बीच एक युवक पर चाकू से ताबड़तोड़ वार होते रहे...और लोग बस देखते रहे,ना कोई रोकने आया,ना किसी को कानून पर भरोसा रहा,सवाल सिर्फ एक क्या अब हमारी सड़कों पर हैवानियत देखना आम बात बन गई है? कानून-व्यवस्था की हालत यह है कि बदमाश खुलेआम हमला कर रहे हैं और फरार हो जा रहे हैं, लोगों में डर इतना गहरा गया है कि कोई बीच-बचाव भी नहीं करता, आखि़र कब तक आम आदमी अपनी ही शहर की सड़कों पर यूँ खून से लथपथ गिरता रहेगा?

अंबिकापुर में चाकू,अपराधी और डर...कहाँ है कानून?

अंबिकापुर की सड़कों पर कुछ दिनों से जो चल रहा है,वह कानून-व्यवस्था का पतन ही नहीं, बल्कि शासन की असफलता का खुला प्रमाण है,किसी बिरयानी सेंटर पर 6-7 युवक एक ग्राहक को पकड़कर चाकू से वार करते हैं, सड़क पर लहूलुहान छोड़कर फरार हो जाते हैं,और पुलिस की कार्रवाई तलाश जारी है पर टिककर रह जाती है,सीसीटीवी में चेहरे साफ दिख रहे हैं,हमलावर पहचान में आ चुके हैं,पीड़ित अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच झूल रहा है, फिर भी गिरफ्तारियाँ शून्य,क्या यही है शहर का कानून? क्या यही है सुरक्षा? शहर की जनता का सबसे बड़ा डर बदमाश नहीं बल्कि पुलिस की लापरवाही है, कानून-व्यवस्था का मूल सिद्धांत है,अपराध होने से पहले रोकना,और होने पर तुरंत पकड़ना,लेकिन अंबिकापुर में दोनों ही विफल हैं, आज एक युवक पर चाकू चला, कल किसी और पर चलेगा, जब पुलिस समय पर न पहुंचे, जब गश्त सिर्फ कागजों में हो, जब अपराधियों में डर खत्म हो तो शहर जंगल बन ही जाता है।

बिरयानी लेने आया युवक... बाहर ही घेरकर चाकू से हमला

जानकारी के मुताबिक दर्रीपारा निवासी 27 वर्षीय आदर्श साहू रात करीब 9:30 बजे जमजम बिरयानी सेंटर बिरयानी लेने पहुँचा था,जैसे ही वह दुकान के बाहर खड़ा हुआ,अचानक 6-7 युवक पहुंचे और आदर्श को घेरकर बेरहमी से पीटना शुरू कर दिया, इसी दौरान एक युवक ने चाकू निकालकर उसके सिर पर लगातार ताबड़तोड़ वार किए,घायल आदर्श खून से लथपथ सड़क पर गिर पड़ा,लेकिन बदमाशों की हैवानियत यहीं नहीं रुकी गिरने के बाद भी उसकी पिटाई जारी रही।

गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज रेफर...सिर में गहरे घाव

बदमाश वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए,घटना स्थल पर मौजूद युवकों ने घायल आदर्श को बाइक से ही मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुँचाया, डॉक्टरों के मुताबिक चाकू के कई वार सिर में लगे हैं और हालत बेहद गंभीर है।

पुराना विवाद?...मोमिनपुरा के युवकों पर शक

मंगलवार दोपहर घायल के परिजन कोतवाली पहुँचकर एफआईआर दर्ज कराई,प्रारंभिक जानकारी में सामने आया है कि यह हमला पुराने विवाद के चलते हुआ है और इसमें मोमिनपुरा के युवकों के शामिल होने की आशंका है।

शहर में चाकूबाजी पर लगाम नहीं,पुलिस पर बड़े सवाल

पिछले कुछ दिनों में अंबिकापुर में चाकू से हमलों की घटनाएं लगातार बढ़ी हैं, गुंडे-बदमाश बेखौफ घूम रहे हैं, जबकि पुलिस सिर्फ 'तलाश जारी है' की औपचारिकता निभा रही है, स्थानीय लोगों का कहना है अगर इसी तरह खुलेआम हमले होते रहे तो शहर में कानून नहीं, गुंडागर्दी चलेगी, कोतवाली पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है, लेकिन सीसीटीवी में चेहरा साफ दिखने के बाद भी अब तक गिरफ्तारी न होना बड़ा सवाल खड़ा कर रहा है।

ना चाकू रुक रहे हैं,ना अपराधी,और ना ही पुलिस की सख्ती कहीं नजर आ रही है...

घर के परिजन अपने बच्चे को सुरक्षित समझकर बाहर भेजते हैं...पर वापस क्या आएगा खबर? हादसा? या अस्पताल की बेड से फोन? शहर पूछ रहा है अगर इसी तरह खुलेआम चाकूबाजी चलती रही... तो क्या हम गुंडों को शहर सौंप दें?

जनता का दर्द स्पष्ट है...

हम घर से निकलते हैं, लेकिन लौटेंगे या अस्पताल पहुंचेंगे यह भरोसा नहीं है,अंबिकापुर को पुलिस की 'प्रेस नोट गश्त' नहीं,जमीन पर दिखने वाली, कड़ाई से काम करने वाली पुलिस चाहिए, आज नहीं तो कल ऐसी घटनाएं शहर को डर के हवाले कर देंगी, और यह खतरा प्रशासन की नाकामी से पैदा हुआ है, समय है पुलिस को दिखाना होगा कि कानून जिंदा है वरना चाकू लेकर घूमने वाले ही शहर के मालिक बन जाएंगे।

पुलिस से सीधा सवाल

- चाकू ले कर घूमने वालों पर कार्रवाई क्यों नहीं?
- गुंडों के गिरोह खुलेआम सक्रिय कैसे?
- सीसीटीवी फुटेज होने के बावजूद गिरफ्तारी में देरी क्यों?
- क्या शहर में गश्त बंद है?
- क्या अपराधियों को पुलिस का डर नहीं बचा?

सोशल मीडिया पर हंगामा...चाकू मारकांड पर जनता का फूटा गुस्सा-पुलिस का डर खत्म, शहर में हैवानियत बढ़ रही है, चाकूबाजी की घटना पर सोशल मीडिया में लोगों का गुस्सा उफान पर है, फेसबुक पर आए सैकड़ों कमेंट्स में एक ही सवाल गूंज रहा है अपराधियों पर लगाम कौन लगाएगा?

जनता की 7 प्रमुख प्रतिक्रियाएँ (कमेंट्स से संकलित)

1. 'अपराधियों में पुलिस का डर नहीं रहा'

'अपराधियों के अंदर पुलिस का डर नहीं रहा।' -सुरेंद्र सोनी
'कानून व्यवस्था बिल्कुल खत्म हो गई है।-दिवस दुबे

2. 'बदमाशों को पुलिस का संरक्षण?'

'उच्च अधिकारी पुलिस का साथ नहीं देंगे तो डर कैसे होगा?' -सुजन बिंद

3. 'अब शहर में बिरयानी खाना भी खतरा हो गया'

'बिरयानी भी खाने नहीं दे रहे हैं... गजब हो गया।'-सीनू फिरदौसी

4. 'तुरंत कार्रवाई की मांग'

'दोषियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए।'- कृष्णा कुशवाहा

5. 'लोग सिर्फ देखते रहे–डर हावी है'

'किसी को भी ऐसे मत मारो भाई... इंसानियत कहाँ है?'-दशरथ जयसवाल

6. 'गैंगवार का माहौल?'

'गेंग वॉर चल रहा है क्या?' — विनल गुप्ता

7. 'पुलिस सिर्फ बयान देती है, कार्रवाई नहीं'

'पुलिस कुछ नहीं कर सकती, सिर्फ कहती है जांच चल रही है।' — जूही यादव
'पब्लिक रिएक्शन बॉक्स'शहर में दहशत—जनता का गुस्सा-
'अपराधियों में पुलिस का डर नहीं रहा।'
'बिरयानी खाने जाओ तो चाकू मिल रहा है,क्या यही शहर है?'
'पुलिस सिर्फ आश्वासन देती है, कार्रवाई नहीं।'
'गैंगवार का माहौल बन गया है।'
'शहर में छोटे-छोटे गुंडे सिर चढ़कर चल रहे हैं।'

शहर के प्रमुख व्यवसायिक मार्गो मे चारपाहिया वाहनों की अवैध पार्किंग एवं रिंग रोड मे भारी वाहनों की अवैध पार्किंग पर सरगुजा पुलिस की अपील

शहर की यातायात व्यवस्था को बेहतर कर जनसुविधा अनुरूप करने एवं मुख्य व्यवसायिक मार्गो पर चारपाहिया वाहनो को बेतरतीब पार्किंग रोकने हेतु की गई अपील,प्रमुख भीतरी मार्गो मे अवैध पार्किंग से शहर की यातायात व्यवस्था होती है प्रभावित

-संवाददाता-
अंबिकापुर,25 नवम्बर 2025
(घटती-घटना)।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा राजेश कुमार अग्रवाल (भा.पु.से.) के दिशा निर्देशन मे शहर की यातायात व्यवस्था को बेहतर कर जनसुविधा अनुरूप करने, मुख्य व्यवसायिक मार्गो पर चारपाहिया वाहनो को बेतरतीब पार्किंग रोकने एवं रिंग रोड मे भारी वाहनों के अवैध पार्किंग रोकने हेतु निर्देशित किया गया है इसी क्रम मे यातायात पुलिस टीम द्वारा शहर के भीतरी प्रमुख मार्गो मे चारपाहिया वाहनो की अवैध पार्किंग कर सड़क जाम करने वाले वाहन चालकों को अपील के माध्यम से जागरूक किया जा रहा है, अपील के पश्चात भी यातायात नियमो की अवहेलना कर अवैध पार्किंग करने वाले वाहन चालकों पर सखूती से कार्यवाही कर वाहन लॉक करने एवं सख्त चालानी कार्यवाही की जायगी साथ ही रिंग रोड मे भारी वाहनों के अवैध पार्किंग पार्किंग पर भी पुलिस टीम द्वारा सखूती से चालानी कार्यवाही की जायगी। अवैध रूप (बेतरतीब) से पार्किंग करने से शहर की यातायात व्यवस्था बाधित हो रही है, जिससे आमनागरिकों को काफी मुश्किलों को सामना करना पड़ रहा है। इस स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए लगातार अवैध रूप से पार्किंग के विरूद्ध व्हील लॉक की कार्यवाही की जायेगी, ताकि यातायात व्यवस्था में सुधार की जा सके, इसके लिए आम दुकानदारों एवं व्यापारियों से भी अपील की जाती है, कि अपने ग्राहकों को नगर निगम द्वारा निर्धारित पार्किंग स्थल एवं अन्य निकटतम पार्किंग पार्किंग स्थल पर अपने वाहनों को व्यवस्थित ढंग से पार्किंग के लिए प्रोत्साहित करें। एवं आमनागरिकों से भी अपील है, कि शहर की यातायात व्यवस्था को बनाये रखने में सरगुजा पुलिस का सहयोग करें, रिंग रोड के आस पास गाड़ी बनाने वाले दुकानदारों भी दुकान मे बनने आये वाहनों को रिंग रोड से निचे ही खड़ी कर वाहन का सुधार कार्य करें, सुधार पश्चात ट्रकों को ट्रांसपोर्टनगर एवं बसों को बस स्टैंड मे ही खड़ी करें अन्यथा पुलिस टीम द्वारा सखूती से चलानी कार्यवाही की जायगी।

सरगुजा रेंज में डिजिटल क्यूआर स्कैनर कोड से मिल रहा सकारात्मक फीडबैक,त्वरित हो रही कार्रवाई

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,25 नवम्बर 2025
(घटती-घटना)।

आईजी दीपक कुमार झा द्वारा आम नागरिकों की सुविधा और पुलिस कार्यों की पारदर्शिता बढ़ाने के उद्देश्य से 08 अक्टूबर 2025 को डिजिटल क्यूआर स्कैनर कोड की सुविधा रेंज के सभी पुलिस कार्यालयों, थानों, चौकियों व सार्वजनिक स्थानों पर शुरू की गई थी। वर्तमान में सरगुजा में 36, सूरजपुर 45, बलरामपुर 46, जशपुर 45, कोरिया 21 एवं एमसीबी में 32 स्थानों सहित कुल 225 प्वाइंट्स पर यह कोड चस्पा किया जा चुका है,जिसके माध्यम से नागरिक सीधे पुलिस से अपनी समस्या और फीडबैक साझा कर रहे हैं। माहवार समीक्षा के दौरान यह सामने आया कि रेंज स्तर पर अब तक 54 नागरिकों ने क्यूआर कोड के माध्यम से सुझाव व समस्याएँ दर्ज कराईं। फीडबैक में 48 लोगों ने विभिन्न थाना/चौकी में पुलिस द्वारा किए गए व्यवहार को 'अच्छा' बताया। वहीं 50 नागरिकों ने थाना/चौकियों की साफ-सफाई व्यवस्था को संतोषप्रद बताया। आईजी सरगुजा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि क्यूआर कोड से प्राप्त आवेदनों को प्राथमिकता के साथ निपटाया जाए और शिकायतकर्ताओं की समस्या का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाए। क्यूआर कोड के माध्यम से कई मामलों पर तत्काल कार्रवाई भी की गई। सूरजपुर जिले के थाना भटगांव में एक आवेदक द्वारा सीज ट्रैक्टर मामले में जानकारी व लंबित कार्यवाही की शिकायत पर तत्काल निर्देश दिए गए। प्रतापपुर थाना क्षेत्र में एक महिला ने अपने पति के साथ समझौता कराने का अनुरोध किया, जिस पर कार्यालय द्वारा दूरभाष पर संपर्क कर आवश्यक वैधानिक प्रक्रियाएँ प्रारंभ कराई गईं। सरगुजा जिले में गांधीनगर थाना क्षेत्र के नावापारा में अवैध शराब बिक्री तथा कोतवाली क्षेत्र के मंगल पांडेय वार्ड में ऑटो चालकों द्वारा शराब सेवन की शिकायतों पर भी संबंधित थाना प्रभारियों को प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। वहीं कोरिया जिले के बैकुण्ठपुर में एक महिला को लगातार फ्रॉड कॉल आने की शिकायत पर साइबर सेल ने त्वरित हस्तक्षेप कर उसे साइबर ठगी से बचाया,जिसके लिए महिला ने क्यूआर पोर्टल पर पुलिस के प्रति आभार व्यक्त किया। एमसीबी जिले में एक महिला के मोबाइल गुम होने की शिकायत पर साइबर सेल के प्रधान आरक्षक पुष्कल कुमार सिन्हा ने तकनीकी दक्षता का प्रयोग कर मोबाइल कुछ ही घंटों में तलाश कर वापस सौंपा।

शादीघर के पार्किंग में खड़ी कार का कांच फोड़ा,सीसीटीवी में कैद हुआ आरोपी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,25 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

शादीघर के पार्किंग में खड़ी कार का आगे-पीछे का कांच एक व्यक्ति फोड़ दिया। घटना सीसीटीवी में कैद है, आरोपी के विरूद्ध पुलिस ने नामजद केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के मुताबिक बैकुण्ठपुर निवासी अनिरूद्ध सोनी पिता रमेश चन्द्र सोनी 22 नवम्बर को अपनी साली प्रिया सोनी के शादी में शामिल होने के लिए होटल फील आनन्दम, जेल रोड अंबिकापुर आए थे, और अपनी कार क्रमांक सीजी 16 सीएन 0973 को पार्किंग में खड़ा करके शादी में शामिल होने चले गए थे। सुबह 9 बजे जब वे कार के पास गए तो कार का आगे और पीछे का ग्लास टूटा हुआ था। सीसीटीव्ही फुटेज देखने पर पता चला कि कार का ग्लास मनीष सोनी पिता अशोक सोनी, निवासी नवापारा सूरजपुर के द्वारा फोड़ा गया है। होटल से मिले फुटेज के आधार पर मणीपुर थाना पुलिस ने आरोपी के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया है।

सोसायटी का ताला तोडक़र 76 बोरी चावल और 6 बोरी शक्कर चोरी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,25 नवम्बर 2025
(घटती-घटना)।

सीतापुर थाना क्षेत्र के ग्राम हर्रामार में शासकीय उचित मूल्य दुकान से 18-19 नवम्बर के बीच 76 बोरी चावल व 6 बोरी शक्कर की चोरी के मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के मुताबिक ग्राम हर्रामार का रूपन सिंह पिता अर्जुन सिंह गांव में शासकीय उचित मूल्य का संचालन करता है। 18 नवम्बर को वह सोसायटी में चावल वितरण करने के बाद गोदाम में ताला लगा दिया था। रात 11 बजे तक सोसायटी के दरवाजे का ताला सही सलामत था। सुबह करीब 7 बजे परमेश्वर मिंज उसको फोन करके बताया कि सोसायटी के शटर का ताला टूटा हुआ है। इसके बाद वह मनमोहन लकडा, परमेश्वर मिंज, मंजीत तिग्गा व अन्य लोगों के साथ सोसायटी गया तो शटर में लगा कुण्डी और ताला टूटा हुआ था। अंदर जाकर गोदाम में सामान का मिलान करने पर 400 बोरी चावल में से 76 बोरी चावल व 6 बोरी शक्कर कम मिला। चोरी गए चावल व शक्कर का शासकीय भाव के हिसाब से कीमत 33 हजार 250 रुपये बताया जा रहा है। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर लिया है।

पत्रकार के घर आबकारी विभाग का टीम ने ली तलाशी,नहीं मिला कुछ तो बैरंग लौटे वापस

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,25 नवम्बर 2025
(घटती-घटना)।

अवैध शराब बिक्री के रोकथाम किए जाने हेतु वर्तमान में लगातार आबकारी विभाग के द्वारा जगह-जगह तलाशी कर अवैध शराबखोरी करने वाले लोगों के खिलाफ कार्यवाही किए जाने हेतु कार्य कर रही है लेकिन आज अचानक लखनपुर क्षेत्र के जमगाला निवासी एक युवा पत्रकार राजेश गुप्ता के घर में भी धावा बोल दिए,जहां आबकारी विभाग के अधिकारी के निर्देश पर कर्मचारियों के द्वारा घर की तलाशी ली गई लेकिन वहां कुछ भी नहीं मिला,और उन्हें खाली हाथ वापस लौटना पड़ा इस संबंध में पत्रकार राजेश प्रसाद गुप्ता ने कहा कि मैं खुद ही नशा को खत्म करने के पक्षधर में हूं मेरे साथ राजनीति करके मुझे फसाने की साजिश है यह आज आबकारी विभाग के टीम के द्वारा मेरे घर की तलाशी ली गई जहां उन्हें खाली हाथ वापस लौटना पड़ा, पहले भी राजनीति करके मुझे कई बार फसाने का प्रयास कई लोगों के द्वारा किया जा चुका है मैं प्रशासन से अनुरोध करता हूं कि मेरे सुरक्षा का इंतजाम करें अन्यथा आने वाले समय में मुझे बहुत बड़ी परेशानी ना उठाना पड़े।

सवालों में सूरजपुर का बाल संरक्षण तंत्र

सूरजपुर में बाल संरक्षण विभाग की सबसे बड़ी विफलता उजागर...

गुंडा-बदमाश सूची में नाम...कई आपराधिक मामले दर्ज...फिर भी मनोज जायसवाल कैसे बने जिला बाल संरक्षण अधिकारी?

दस्तावेज़ों से खुलासा,नियुक्ति से पहले ही दर्ज थे जुआ एक्ट, मारपीट,107/116, 341, 148, 151 के कई मामले...

कुर्सी पर ऐसे चिपके जैसे फेविकोल से चिपकाया गया हो...

जिले में हड़कंप–दस्तावेज़ बताते हैं कि नौकरी से पहले ही इनके खिलाफ जुआ एक्ट,मारपीट,शांति भंग,गुंडागर्दी...जैसे कई अपराध दर्ज थे...

-शमरोज खान-

सूरजपुर,25 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)। जिले के जिला बाल संरक्षण अधिकारी जैसे संवेदनशील पद पर बैठे अधिकारी मनोज जायसवाल को लेकर बड़ा खुलासा सामने आया है। प्राप्त आधिकारिक दस्तावेज़ों के अनुसार, मनोज जायसवाल के खिलाफ ज़िले के बनने से लेकर आज तक लगातार आपराधिक मामले दर्ज रहे हैं, जिनमें जुआ एक्ट, शांतिभंग, मारपीट, अधिकारियों से दुर्व्यवहार,341,148,151,107/ 116 (3) जैसे गंभीर प्रकरण शामिल हैं, इतना ही नहीं दूसरे दस्तावेज़ में पुलिस अधीक्षक सूरजपुर द्वारा साफ लिखा गया है कि मनोज जायसवाल का नाम वर्ष 2013 में सामुदायिक गुंडा-बदमाश सूची में दर्ज पाया गया है,ऐसे में अब बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि क्या बाल संरक्षण विभाग में संवेदनशील पदों पर नियुक्ति से पहले चरित्र सत्यापन औपचारिकता मात्र है? क्या नौकरी के नियम,पात्रता और बैकग्राउंड चेक केवल कागजों तक सीमित हैं? क्या बाल संरक्षण जैसे अत्यंत संवेदनशील विभाग में अपराधियों का भी स्वागत है? क्या बच्चों के हितों की रक्षा करने वाले पद पर गुंडा सूची में शामिल व्यक्ति को बैठाना प्रशासन का नया मॉडल है? या फिर सच यही है योग्य लोग बाहर,और गुंडा-बदमाश सूची वाले कुर्सी पर...बस जुगाड़ चाहिए,जिला सूरजपुर में जिला बाल संरक्षण अधिकारी पद पर बैठे मनोज जायसवाल पर खुलासे अब सीधा विभाग की जड़ें हिला रहे हैं।

फिर कैसे मिली थी नौकरी? किसने किया था बैकग्राउंड क्लियर? और क्या विभाग को अतीत की जानकारी थी?

बाल संरक्षण अधिकारी का पद किसी भी सामान्य नौकरी से अलग है, इस पद पर बैठे व्यक्ति को बच्चों से जुड़े संवेदनशील मामलों का निर्णय लेना होता है, बाल कल्याण समिति और बाल न्याय बोर्ड के साथ काम करना होता है परिवार, महिला, नाबालिग, शोषण, घरेलू हिंसा, परित्याग जैसी फाइलों को हैंडल करना होता है ऐसे संवेदनशील विभाग में गुंडा-बदमाश सूची में दर्ज नाम वाला व्यक्ति पदस्थ हो यह न केवल नियमों का खुला उल्लंघन है, बल्कि प्रणाली की गंभीर असफलता भी है।

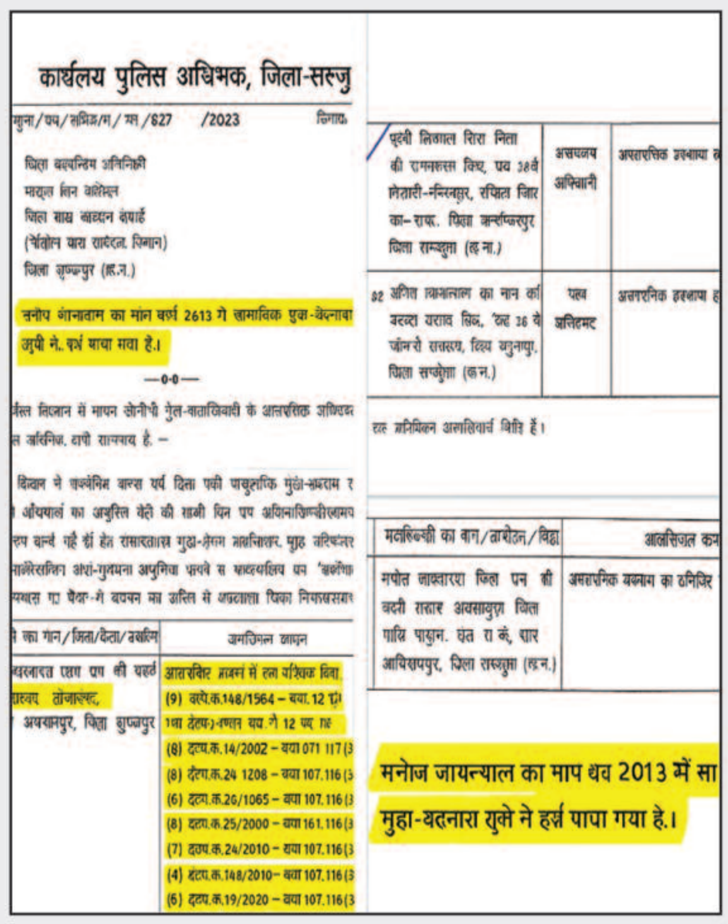
कार्यालय पुलिस अधिक्षक, जिला-सूरजपुर

...मनोज जायसवाल का नाम वर्ष 2013 में सामाजिक गुंडा-बदमाश सूची में दर्ज पाया गया है।

मनोज जायसवाल का नाम वर्ष 2013 में सा... गुंडा-बदमाश सूची में दर्ज पाया गया है।

क्या फेविकोल की तरह कुर्सी से चिपके हैं अधिकारी?

जिले में चर्चा इतने मामले होने के बावजूद आज तक क्यों नहीं हुई हटाने की कार्रवाई? स्थानीय सूत्रों की मानें तो अधिकारी कई वर्षों से इसी पद पर जमे हुए हैं, विभागीय कार्रवाई फाइलों में घूमती रही, लेकिन पदस्थापना जस की तस, हर साल होने वाला पुलिस चरित्र सत्यापन औपचारिकता बनकर रह गया।

क्या भर्ती नियमों की ऐसी दुर्गति हो चुकी है कि अपराधी भी अधिकारी बन जाते हैं?

सवाल सिर्फ मनोज जायसवाल का नहीं सवाल है पूरे सिस्टम का, सवाल है चरित्र सत्यापन के नाम पर चल रही फर्जी औपचारिकताओं का,और सवाल है कि जब पुलिस की रिपोर्ट में ही दर्ज था कि यह व्यक्ति गुंडा-बदमाश सूची में है...तो कौन-सा चमत्कारी हाथ था जिसने इन्हें बाल संरक्षण विभाग में पदस्थ करा दिया? विवादित इतिहास, विवादित रिकॉर्ड,पर कुर्सी हिलती तक नहीं, क्या राजनीतिक संरक्षण है? क्या विभागीय मिलीभगत? या फिर कुछ और बड़ा खेल? जिले में चर्चा है, अधिकारी सालों से कुर्सी पर ऐसे जमे हैं जैसे विभाग निजी संपत्ति हो,हर साल होने वाला पुलिस चरित्र सत्यापन सिर्फ कागजों की खानापूर्ति बनकर रह गया, विभागीय अधिकारी भी रिपोर्ट देखना नहीं चाहते थे या देखकर भी अनदेखा कर दिया।

सवाल और भी खतरनाक हैं...

क्या बच्चों और महिलाओं से जुड़े संवेदनशील मामलों को ऐसे व्यक्ति के हवाले कर दिया गया? क्या संरक्षण अधिकारी की कुर्सी पर बैठने का लाइसेंस अब ईमानदारी नहीं, 'जुगाड़' बन गया है? क्या यह विभाग अब अपराधियों की शरणस्थली बन गया है?

बाल संरक्षण विभाग पर भी उठे प्रश्न

क्या विभाग ने नियुक्ति के समय पुलिस रिपोर्ट मांगी थी? या फिर रिपोर्ट आने के बावजूद आंख मूंदकर नियुक्ति दे दी गई? अब जरूरत है जांच की, जवाबदेही की और पारदर्शिता की जिले का बाल संरक्षण तंत्र बच्चों से जुड़ा सबसे संवेदनशील सिस्टम है, यदि इस तंत्र में ऐसे अधिकारी बैठे होंगे, तो केस कैसे निष्पक्ष होंगे? पीड़ितों को न्याय कैसे मिलेगा? और विभाग पर भरोसा कैसे बचेगा?

दस्तावेजों से निकले 10 प्रमुख आपराधिक प्रकरण

थाना उदयपुर द्वारा भेजी गई रिपोर्ट के अनुसार मनोज जायसवाल के खिलाफ निम्नलिखित एफआईआर दर्ज थीं...

1. अप्र.क्र.169/1992 — जुआ एक्ट
2. अप्र.क्र.162/1993 — धारा 13 जुआ एक्ट
3. अप्र.क्र.14/2002 — धारा 341, 147 भादवि
4. इस्त.क्र.23/1995 — धारा 107,116(3) जा.फो.
5. इस्त.क्र.53/1996 — धारा 107,116(3)
6. इस्त.क्र.250/1996 — धारा 107,116(3)
7. इस्त.क्र.28/2009 — धारा 151, 107,116(3)
8. इस्त.क्र.20/2010 — धारा 107,116(3)
9. इस्त.क्र.148/2010 — धारा 107,116(3)
10. इस्त.क्र.79/2020 — धारा 107,116(3)

ये वे मामले हैं जो जिला बनने से लेकर विभागीय भर्ती से पहले तक दर्ज थे।

SIR-2025 विशेष गहन पुनरीक्षण हेतु युवा,महिला एवं किसान मोर्चा के विधानसभा प्रभारियों की सूची जारी

SIR-2025 अभियान को गति देने भाजपा वरिष्ठ नेताओं का 27 से 29 नवम्बर तक तीन दिवसीय विधानसभा दौरा

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,25 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)। आज संकल्प भवन भाजपा कार्यालय में जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया की उपस्थिति में अपेक्षित पदाधिकारियों की बैठक सम्पन्न हुई, जिसमें SIR-2025 (विशेष गहन पुनरीक्षण) अभियान को गति देने हेतु विधानसभावार युवा मोर्चा, महिला मोर्चा एवं किसान मोर्चा के प्रभारियों एवं सह प्रभारियों की सूची जारी की गई। युवा मोर्चा विधानसभा अम्बिकापुर प्रभारी एवं सह प्रभारी में अंशुल श्रीवास्तव प्रभारी, हर्ष जायसवाल सह प्रभारी, वीर सोनी सह प्रभारी, शुभम भदौरिया सह प्रभारी , विधानसभा लुण्ड्रा के लिए चंदन शुक्ला प्रभारी, अभिषेक पावले सह प्रभारी, आशीष यादव सह प्रभारी, अंशुमल गर्ग सह प्रभारी, विधानसभा सीतापुर के लिए आर. डी. चैहान प्रभारी, अनीश यादव सह प्रभारी, नरेन्द्र पैकरा सह प्रभारी, अतीश पाण्डेय सह प्रभारी बनाये गए हैं । महिला मोर्चा विधानसभा प्रभारी एवं सह प्रभारी में विधानसभा अम्बिकापुर के सोनू तिग्गा प्रभारी, रश्मि

जायसवाल सह प्रभारी, ममता तिवारी सह प्रभारी,विधानसभा लुण्ड्रा के लिए मीरा बैरागी प्रभारी, रूपा गुप्ता सह प्रभारी, सीमा राजवाड़े सह प्रभारी,विधानसभा सीतापुर के लिए ललिता तिर्की प्रभारी, मुनेश्वरी पैकरा सह प्रभारी, सुनीता पैकरा सह प्रभारी बने हैं । इसी क्रम में किसान मोर्चा विधानसभा प्रभारी एवं सह प्रभारी में अम्बिकापुर के सोमनाथ सिंह प्रभारी, मनोज कुमार राजवाड़े सह प्रभारी, संतोष जायसवाल सह प्रभारी, विधानसभा लुण्ड्रा के उमाशंकर उपाध्याय प्रभारी, रघुनाथ गुप्ता सह प्रभारी, राजू पाण्डेय सह प्रभारी, विधानसभा सीतापुर के जितेश्वर पाठक प्रभारी, राज कुमार गुप्ता सह प्रभारी एवं प्रदुमन पैकरा सह प्रभारी नियुक्त किए गए हैं । बैठक में जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने एसआईआर अभियान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी इस अभियान में पूर्ण समर्पण भाव से जुटे हुए हैं। आगामी 27, 28 एवं 29 नवम्बर को एसआईआर कार्य की समीक्षा एवं सहयोग हेतु भाजपा के वरिष्ठ नेता तीनों विधानसभा में तीन दिवसीय दौरा करेंगे तथा आमजन, भाजपा कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों से भेंट करेंगे। बैठक में जिला महामंत्री विनोद हर्ष, महामंत्री द्वय अरुणा सिंह, जिला उपाध्यक्ष मधुसूदन शुक्ला, एसआईआर संयोजक निलेश सिंह, सह संयोजक वैभव सिंह देव एवं श्रवण दास, जिला संवाद प्रमुख रूपेश दुबे सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सुधार की सारी जवाबदेही मतदाता पर डाल देना और पूरी कारवाई आनन-फानन में करना गलत

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,25 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)। मतदाता सूचियों के गहन पुनरिक्षण को लेकर मंगलवार को जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय राजीव भवन में पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव एवं छत्तीसगढ प्रदेश कांग्रेस कमेटी की सहप्रभारी जरीता लैतफलांग ने संयुक्त रुप से समीक्षा बैठक की। इस बैठक में एसआईआर को लेकर लोकसभा, विधानसभा एवं ब्लॉक प्रभारी एवं सहप्रभारी सहित कांग्रेस के सभी सांगठनिक ब्लॉक के अध्यक्ष एवं मण्डल अध्यक्ष मौजूद थे। सभा को संबोधित करते हुए पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने कहा कि इस बात में कोई शक नहीं है कि मतदाता सूचि दूषित है, और उसमें सुधार आवश्यक हैं। लेकिन इसके सुधार की सारी जवाबदेही मतदाता पर डाल देना और पूरी कारवाई आनन-फानन में करना गलत है। गणना प्रपत्र को भरने में मतदाताओं को कई प्रक्रियागत परेशानियां आ रही हैं। इससे उन्हें निजात मिलना चाहिए और पूरी प्रक्रिया में अतिरिक्त समय देना चाहिये। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने सूत्रों से प्राप्त इस जानकारी को साझा किया कि अंदर ही अंदर यह प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है कि चिन्हांकित लोगों का नाम मतदाता सूचि में न जुड़े। उन्होंने कहा कि एक राजनैतिक दल विशेष को यह निर्देश दे दिया गया है कि विशेष लोगों के नाम न जुडे। उन्होंने कहा कि उस विशेष राजनैतिक दल के

कार्यकर्ताओं को विशेष संरक्षण देते हुए यह अभयदान दिया गया है कि आप नाम कटवाईये उपर अपने लोग बैठे हैं। छत्तीसगढ कांग्रेस की सहप्रभारी जरीता लैतफलांग जो विगत 2 दिनो से सरगुजा संभाग के दौरे पर हैं ने अपने अनुभव को साझा करते हुए कहा कि, वे सोमवार को कोरिया जिला रवाना होते कुछ धान खरीदी केन्द्रों पर एसआईआर की प्रक्रिया और गणना प्रपत्रों के वितरण को लेकर वहां मौजूद किसानो से चर्चा की थी तब यह जानकारी मिली कि गणना प्रपत्र उनके घरों तक पहुंचा ही नहीं है। धान कटाई में व्यस्त रहने के कारण वो किसान संबंधित बीएलओ से अपने गणना प्रपत्रों के लिये संपर्क भी नहीं कर पाये हैं। कई किसानो ने एसआईआर की पूरी प्रक्रिया से अनभिज्ञता जाहिर किया। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से ऐसे सभी मतदाताओं का नाम मतदाता सूचि में जोडना सुनिश्चित करने का आवाहन किया है। समीक्षा के दौरान उन्होंने क्रमवार सभी प्रभारियों से एसआईआर पर उनके फीडबैक को प्राप्त किया।

दी गइ बूथ की जिम्मेदारी : प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार कांग्रेस जिलाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक ने सरगुजा जिले के सभी प्रमुख कांग्रेस नेताओं को उनके बूथ पर एसआईआर की प्रक्रिया की जिम्मेदारी दी है। उन्होंने जानकारी दी है कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने एसआईआर की प्रक्रिया में पार्टी कार्यकर्ताओं की भागीदारी को और पुख्ता करने के लिये वरिष्ठ नेताओं को उनसे संबंधित बूथ की जवाबदेही दी है। इसके तहत पूर्व उपमुख्यमंत्री अम्बिकापुर विधानसभा के बूथ क्रमांक 128 का कार्य देखेंगे। इसी प्रकार पूर्व केबिनेट मंत्री अमरजीत भगत सीतापुर विधानसभा के बूथ क्रमांक 195 का कार्य देखेंगे। आदित्येश्वर शरण सिंहदेव केशवपुर में बूथ क्रमांक 28, पूर्व महापौर डॉ0 अजय तिर्की बूथ क्रमांक 46, अजय अग्रवाल बूथ क्रमांक 156, जेपी श्रीवास्तव बूथ क्रमांक 87, शफी अहमद बूथ क्रमांक 111, द्वितेन्द्र मिश्रा बूथ क्रमांक 95, हेमंत सिन्हा बूथ क्रमांक 89 की जवाबदेही देखेंगे। पूर्व विधायक डॉ. प्रीतम राम लुंड्रा विधानसभा के बूथ क्रमांक 95 और पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश गुप्ता बूथ क्रमांक 168 क पर एसआईआर का कार्य देखेंगे। कांग्रेस जिलाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक स्वयं अम्बिकापुर विधानसभा के बूथ क्रमांक 119 का काम देखेंगे।

14 को कांग्रेस की बडी रैली : बैठक के दौरान पूर्व उपमुख्यमंत्री श्री टी0एस0 सिंहदेव ने जानकारी दी है कि 14 दिसंबर को कांग्रेस पार्टी रामलीला मैदान में वोट चोर गद्दी छोड चरणबद्ध आन्दोलन के तहत दिल्ली के रामलीला मैदान में विशाल रैली करने जा रही है। इस दौरान इस अभियान के तहत पूरे देश के करोडों मतदाताओं से हस्ताक्षर कराकर एकत्र किये गये मांगपत्र को राष्ट्रपति को सौपा जायेगा।

शराब के नशे में वाहन चलाने पर युवक को 15 हजार रुपये का जुर्माना

सरगुजा पुलिस

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,25 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)। शराब सेवन कर बाइक चलाना एक युवक को भारी पड़ा। लुण्ड्रा पुलिस ने उसके खिलाफ चालानी कार्रवाई कर न्यायालय भेजा था। न्यायालय ने बाइक चालक के खिलाफ 15 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। जानकारी के अनुसार सडक़ दुर्घटनाओं में कमी लाने एसपी ने जिले के सभी थाना व चौकी प्रभारियों को यातायात नियम तोडने वालों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इसी क्रम में लुण्ड्रा पुलिस ने सोमवार को चेकिंग के दौरान बाइक क्रमांक सीजी 15 इएच 3294 के चालक को रोका और पूछताछ की।

चालक अपना नाम धनेश्वर सिंह उम्र 23 वर्ष निवासी पटोरा, थाना लुंड्रा के रूप में बताई। चालक के द्वारा ब्रेथ एनेलाइज़र से जांच करने पर यह पाया गया कि वह शराब के नशे में था और बिना ड्राइविंग लाइसेंस के वाहन चला रहा था। इसके बाद, पुलिस ने चालक के खिलाफ धारा 185, 3/181 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत मामला दर्ज किया और उसे न्यायालय में पेश किया। न्यायालय ने इस मामले में चालक को 15 हजार रुपये के जुर्माने से दंडित किया है।

युवती अज्ञात कारणों से फांसी लगाकर खुदकुशी की

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,25 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)। किराए के मकान में रहकर काम करने वाली युवती अज्ञात कारणों से फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। जानकारी के मुताबिक कुन्नी थाना क्षेत्र के ग्राम तिरकेला की रूक्मणी वैष्णव पति कुंजल दास वैष्णव खालपारा में माया श्रीवास्तव के यहां किराए के मकान में पिछले डेढ़ वर्ष से रहकर मजदूरी करती थी। सोमवार को शाम करीब 5 बजे मकान मालकिन ने उसे फांसी के फंदे पर लटके देखा, इसके बाद जीवनरक्षा के लिए अन्य लोगों के सहयोग से फांसी से उतरवाया और उसके पति कुंजल को इसकी सूचना दी।

बाइक की टक्कर से घायल वृद्ध की इलाज दौरान मौत

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,25 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)। बाइक की टक्कर में घायल ऑटो सवार वृद्ध की इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना में अन्य ग्रामीणों को भी चोटें आई थी। जानकारी के मुताबिक बलरामपुर जिला के राजपुर थाना अंतर्गत ग्राम डिगनगर निवासी जोखू घासी पिता राधा घासी 69 वर्ष, 22 नवम्बर को गांव के अन्य लोगों के साथ ऑटो में सवार होकर गांव से ग्राम उदारी में दशकर्म कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जा रहा था। लुंड्रा के कुंदीकला के पास बाइक

सवार से ऑटो की आमने-सामने भिड़ंत हो गई, जिससे ऑटो में सवार ग्रामीण छिटककर गिर गए। हादसे में ऑटो सवार ग्रामीण घायल हो गए थे, जोखू को गंभीर चोटें आई थी। स्वजन उसे होलीक्रॉस अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां इलाज के दौरान देर रात एक बजे उसकी मौत हो गई।

गरीब-आदिवासियों के घर उजड़े,प्रशासन दिनभर गायब...राहत के लिए मंत्री बंगले तक पहुँची कांग्रेस

सुबह बुलडोजर...रात तक न टेंट,न भोजन...आधी रात मंत्री आवास पर कांग्रेस का घेराव

अधिकारियों ने फोन तक न उठाया कांग्रेस बोली: भाजपा संरक्षण में चल रहा वन विभाग का बुलडोजर राज

एसपी के हस्तक्षेप तक खुले आसमान में तड़पते रहे पीड़ित, कांग्रेसी नहीं हटे,जब तक राहत नहीं मिली...

कांग्रेस का हमला: वन विभाग नेताओं के इशारे पर चलता है...गरीबों पर कार्रवाई, बड़े कब्जाधारियों पर चुप्पी

मंत्री के बंगले के सामने घंटों सड़क पर बैठे पीड़ित कांग्रेसी

एसपी के हस्तक्षेप के बाद देर रात मिली राहत

गरीबों के घर तोड़कर फरार हुए अधिकारी,राहत दिलाने के लिए मंत्री बंगले तक जाना पड़ा!

एसपी के हस्तक्षेप तक प्रशासन 'बंद कमरे' में छिपा रहा

वन विभाग की बर्बर कार्रवाई के खिलाफ कांग्रेस का आधी रात धरना-हंगामा

-राजेन्द्र शर्मा-

एमसीबी/खड़गवां,25 नवंबर 2025 (घटती-घटना)। रतनपुर पंचायत में वन विभाग की कथित मनमानी और गरीब-आदिवासी परिवारों पर चले बुलडोजर के बाद प्रशासनिक बेरुखी आधी रात भारी पड़ गई,राहत न मिलने से आक्रोशित कांग्रेसजनों ने मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के रतनपुर स्थित बंगले के सामने रात 1 बजे तक जोरदार धरना दे डाला, पुलिस प्रशासन पर सीधा आरोप लगाते हुए कि वन विभाग गरीबों के घर उजाड़ दे,और प्रशासन पूरे दिन आंखें मूंदे रहे।

> वन विभाग भाजपा नेताओं के संरक्षण में काम कर रहा है। गरीबों पर कार्रवाई, बड़े कब्जाधारियों पर चुप्पी, यह कानून नहीं, दमन है।
>
> **सौरव मिश्रा,**
> **जिला कांग्रेस प्रवक्ता**

सुबह बुलडोजर,रात तक न भोजन न रहने की व्यवस्था

वन विभाग ने बुधवार को 'अवैध अतिक्रमण' बताकर नागेंद्र, करीमन बैगा,राजेंद्र प्रधान,रामप्रसाद एक्का सहित कई ग्रामीणों के पक्के-कच्चे मकान ढहा दिए। परिवार खुले आसमान तले छूट गए,दावा है कि सुबह से रात तक न कोई अधिकारी मौके पर पहुँचा,न भोजन-आश्रय की व्यवस्था की गई।

कांग्रेसी पहुंचे मौके पर, अधिकारी पूरे दिन 'गायब'

जिला कांग्रेस प्रवक्ता सौरव मिश्रा,जनपद सदस्य युगांतर श्रीवास्तव, एनएसयूआई जिला अध्यक्ष कासिम अंसारी सहित कार्यकर्ता रात में पीड़ितों के बीच पहुँचे,कंबल बाँटे,कहा गया एसडीएम,डीएफओ,किसी अधिकारी का फोन नहीं उठ रहा, जैसे जिले में शासन-प्रशासन का अस्तित्व ही खत्म हो गया हो,काफी प्रयासों के बाद एसडीओ ने कॉल रिसीव किया पर राहत उपलब्ध कराने में असमर्थ ही नजर आए।

आधी रात मंत्री बंगले के बाहर धरना, पुलिस-प्रशासन बेचैन

असहाय परिवारों को देखकर कांग्रेस का गुस्सा फट पड़ा,रात 1 बजे नेता और पीड़ित स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के बंगले के सामने धरने पर बैठ गए, पुलिस ने हटाने की कोशिश की, पर कार्यकर्ता अड़ गए राहत दो, नहीं तो उठेंगे नहीं!

एसपी के निर्देश पर रात में ही टेंट, भोजन-रहने की व्यवस्था

तनाव बढ़ता देख एसपी ने हस्तक्षेप किया, उसके बाद आधी रात को ही तंबू,भोजन व अन्य व्यवस्थाएँ कराई गई, तब जाकर कांग्रेस कार्यकर्ता बंगले से उठे।

कांग्रेस का गंभीर आरोप वन विभाग भाजपा नेताओं के संरक्षण में,गरीबों पर सीधा अत्याचार

सुबह जिला कांग्रेस कमेटी ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर कहा या तो वन विभाग समान कार्रवाई करे,नहीं तो जिनके घर तोड़े गए हैं,उन्हें तत्काल मुआवजा,पुनर्वास और रहने की व्यवस्था दी जाए,प्रवक्ता सौरव मिश्रा ने कहा वन विभाग का तानाशाही रवैया भाजपा नेताओं की छत्रछाया में पनप रहा है। गरीबों के घर उजाड़कर तंत्र ने क्रूरता दिखाई है। कांग्रेस इस अन्याय के खिलाफ सड़क से सदन तक संघर्ष करेगी, इस दौरान प्रमुख रूप से मौजूद सौरव मिश्रा,युगांतर श्रीवास्तव, कासिम अंसारी,इमरान खान, भावेश जैन और सभी पीड़ित परिवारजन।

कांग्रेस की मांग या समान कार्रवाई करो या तुरंत मुआवजा दो,दोहरा कानून नहीं चलेगा

सुबह कांग्रेस ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर 24 घंटे में कार्रवाई की मांग की वन विभाग पर निष्पक्ष जांच,अधिकारी-नेता गठजोड़ की जांच, पीड़ित परिवारों को तत्काल मुआवजा,पुनर्वास,दोहरे मापदंड पर रोक, प्रवक्ता सौरव मिश्रा ने आगाह किया,अगर वन विभाग गरीबों के खिलाफ दमनात्मक कार्रवाई करता रहा,तो कांग्रेस सड़क से विधानसभा तक उग्र आंदोलन करेगी, घटनास्थल पर मौजूद सौरव मिश्रा,युगांतर श्रीवास्तव, कासिम अंसारी,इमरान खान,भावेश जैन और सभी पीड़ित परिवारजन।

प्रशासन और सत्ता पक्ष के लोग उजाड़ रहे आदिवासियों का घरःगुलाब कमरो

पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने वन विभाग द्वारा की गई कार्यवाही को पक्षपात पूर्ण बताते हुए आदिवासियों के साथ अन्याय बताया है उन्होंने कहा कि इतनी ठंड में बिना नोटिस किसी का घर गिरा देना कहा तक सही है यह आदिवासियों के साथ अन्याय है वही एक और मामले एमसीबी जिला मुख्यालय से कुछ दूरी पर ग्राम चैनपुर में भाजपा कार्यालय निर्माण के लिए गरीब आदिवासी परिवारों की वर्षों की से कई शासकीय ज़मीन और मकान तोड़ने के मामले में पूर्व विधायक गुलाब कमरों ने कहा की वर्षों से बसे गरीब आदिवासी परिवारों के जमीनों को सत्ता पक्ष के नेताओं के द्वारा दादागिरी से खाली कराने और मकानों को तोड़ने में प्रशासन खुद आगे बढ़कर सहयोग कर रहा है, जो बेहद निंदनीय है। जब प्रशासन और सत्ता पक्ष के लोग ही गरीबों, आदिवासियों का घर उजाड़ने लगे, तो फिर न्याय की उम्मीद किससे की जाए? यह कैसा न्याय है?

रेत के अवैध परिवहन में लगे 2 ट्रैक्टर जब्त

-संवाददाता-

कोरबा,25 नवंबर 2025 (घटती-घटना)। जिला प्रशासन द्वारा रेत के अवैध खनन एवं परिवहन पर नियंत्रण एवं शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा पर रोक लगाने हेतु गम्भीरता से कार्यवाही किया जा रहा है। इसी कड़ी में कलेक्टर अजीत वसंत के मार्गदर्शन में एसडीएम पाली रोहित सिंह के दिशा निर्देश पर नायब तहसीलदार पाली सुजीत कुमार पाटले एवं राजस्व निरीक्षक पोड़ी व हल्का पटवारी के द्वारा ग्राम पोड़ी में अवैध रूप से रेत खनन कर परिवहन करते हुए 2 ट्रैक्टर को जप्त कर थाना पाली को सुपुर्द किया गया है। इसी प्रकार अनुविभाग पाली के हरदीबाजार तहसील अंतर्गत ग्राम बांधाखार में बिना अनुमति अवैध रूप से शासकीय भूमि पर मिट्टी पटाई कार्य में लगे जेसीबी एवं टीपर वाहन को राजस्व टीम द्वारा जब्त कर हरदीबाजार थाना में सुपुर्द किया गया है। एसडीएम पाली ने कहा कि अनुविभाग में शासकीय भूमि पर किसी भी तरह की अवैध कब्जा एवं रेत सहित अन्य खनिजों के अवैध खनन व परिवहन पर गम्भीरता से कार्यवाही की जाएगी। आगे भी इस प्रकार की कार्यवाही जारी रहेगी।

न्यायालय तहसीलदार लटोरी, जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

रा0प्र0क्र0... /ब-121 वर्ष/
ग्राम-पाठकपुर प.ह.न. ......

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सूरज राजवाड़े आ0 रामसुन्दर जाति रजवार निवासी ग्राम पाठकपुर प.ह.न... रा.नि.म....तहसील लटोरी जिला सूरजपुर (छ0ग0) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के बाबा स्व. ललन का मृत्यु दिनांक 27/09/2013 को ग्राम पाठकपुर में हुई,अज्ञानतावश मृत्यु पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत पाठकपुर को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 17/12/25 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 24/11/25 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

सील — कार्यपालिक दण्डाधिकारी लटोरी, जिला-सूरजपुर छ0ग0

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-02 जिला-सरगुजा,छ0ग0

रा.प्र.क... /अ-6/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक प्रांशु सिन्हा आ0 श्री मनोज सिन्हा, जाति कायस्थ, निवासी जोड़ा पीपल अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 द्वारा ग्राम सकालो स्थित भूमि खसरा नंबर 1523 रकबा 1.960 हे. मे से रकबा 0.980 भूमि को दानकर्ता मनोज सिन्हा आ0 स्व0 अवधकिशोर सिन्हा, जाति कायस्थ, निवासी जोड़ा पीपल अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 द्वारा दिनांक 10.10.2025 को पंजीबद्ध दान पत्र के माध्यम से क्रय किया गया है। आवेदक द्वारा पंजीबद्ध दान पत्र के आधार पर विक्रेता का नाम विलोपित कराकर अपना से नामांतरण बावत् आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 05/12/2025 को न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 11/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील — अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-02

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-02 जिला-सरगुजा,छ0ग0

रा.प्र.क... /अ-6/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक प्रसुन्न सिन्हा आ0 श्री मनोज सिन्हा, जाति कायस्थ, निवासी जोड़ा पीपल अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 द्वारा ग्राम सकालो स्थित भूमि खसरा नंबर 1523 रकबा 1.960 हे. मेसे रकबा 0.980 भूमि को दानकर्ता मनोज सिन्हा आ0 स्व0 अवधकिशोर सिन्हा, जाति कायस्थ, निवासी जोड़ा पीपल अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 द्वारा दिनांक 10.10.2025 को पंजीबद्ध दान पत्र के माध्यम से क्रय किया गया है। आवेदक द्वारा पंजीबद्ध दान पत्र के आधार पर विक्रेता का नाम विलोपित कराकर अपना से नामांतरण बावत् आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 05/12/2025 को न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 11/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील — अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-02

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,छ0ग0

ईश्तहार

रा.प्र.क... /अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक प्रिस्का तिर्की पिता केश्वर तिर्की जाति उरांव निवासी मायापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि को भूमि स्थित ग्राम मायापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) खसरा नंबर 186/7 रकबा 0.016. हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, भूमि उपयोगिता प्रमाण पत्र, सेटलमेन्ट, ले-आउट, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 27/11/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 06/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायलयीन पदमुद्रा से जारी।

सील — अनुविभागीयअधिकारी (रा.)अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः, 202511020700087

विषयः-अ-6 मामले की श्रेणीः- राजस्व सन्:-2025-26
अम्बिकापुर प.ह.नं.00015
[2409/54 (0.028 हे.)]
पक्षकारों का विवरणः-
आवेदक पक्षकार-रूमाना खन,
अनावेदक पक्षकार-आजाद खान,

ईश्तहार

आवेदिका रूमाना खान आ0 आजाद खान निवासी मोमिनपुरा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0) के द्वारा ग्राम अम्बिकापुर स्थित भूमि खसरा नंबर 2409/54 रकबा 0.028 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखो मे हिब्बानामा के आधार पर अनावेदक का नाम विलोपित कर आवेदिका का नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 15.12.2025 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा

यह ईश्तेहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 17/11/2025 को जारी किया जाता है।

सील — उमेश्वर सिंह बाज, तहसीलदार,अंबिकापुर

न्यायालय तहसीलदार राजपुर, जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज (छ0ग0)

रा0प्र0क्र0 /ब-121 /2024-25
ग्राम-करवां तहसील-राजपुर

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक विमला टेकाम पिता रामकरण निवासी ग्राम करवां थाना राजपुर तहसील राजपुर जिला - बलरामपुर-रामानुजगंज द्वारा अपनी सासु स्व0 बिहानो पति लिखु की मृत्यु ग्राम करवां में दिनांक 21/12/2023 को हुआ है। किन्तु मृत्यु पंजीयन कार्यालय में नियत समय में अज्ञानता वंश कार्य व्यस्तता के कारण पंजीयन नहीं करा पाने के कारण पंजीयन हेतु आवेदन पत्र शपथ पत्र पेश है जो न्यायालय में मृत्यु प्रमाण पत्र हेतु विचाराधीन है।

आवेदक के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर यदि किसी अथवा अपने अभिभावक के माध्यम से पेशी तिथि 12/12/2025 के पूर्व इस न्यायालय में आपत्ति पेश कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त होने वाले दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 07/08/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

सील — कार्यपालिक दण्डाधिकारी राजपुर, जि.-बलरामपुर-रामानुजगंज

6 गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के ब्लॉक सचिव जनार्दन गुप्ता पार्टी से साल के लिए हुए निष्काषित

2013 से लगातार पार्टी के लिए सक्रिय रूप से कर रहे थे कार्य
पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में किये गए निष्काषित

जनार्दन गुप्ता का निष्कासन पार्टी के लिए नुकसान का निर्णय तो नही?
क्या पार्टी में चल रही गुटबाजी का शिकार हो गए जनार्दन?

-राजन पाण्डेय-

सोनहत,25 नवंबर 2025 (घटती-घटना)। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के सोनहत ब्लॉक सचिव पार्टी से 6 साल के लिए निष्काषित किये गए हैं। उनके निष्कासन का पत्र सोशल मीडिया में जैसे वायरल हुआ तो विधानसभा स्तर पर कई कार्यकर्ता व पदाधिकारी आश्चर्य चकित हो गए क्योंकि जनार्दन गुप्ता पार्टी के पुराने कार्यकर्ता रहे हैं, पार्टी की बैठक लोगो की समस्याओं को लेकर बैठक एवं पत्राचार काफी वर्षो तक इन्ही के घर से संचालित होते रहे, पार्टी की सभी प्रमुख बैठके इन्ही के निवास पर सन्चालित होती रही है। गोंडवाना से जुड़े लोग अपनी समस्याओं को लेकर इन्ही के पास पहुच कर अपनी समस्याओं का समाधान ढूंढने की कोशिस करते देखे गए हैं। बावजूद इसके इनका निष्काशन हो गया यह बात लोगो के समझ से परे निकल गई। वायरल पत्र को पढ़ने पर पता चला कि जनार्दन गुप्ता पर पार्टी विरोधी

गतिविधियों में शामिल रहने का आरोप लगा है। यह आरोप कहाँ तक सही है यह तो पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी ही बता पाएंगे लेकिन जनार्दन गुप्ता से इस सबन्ध में जब पूछा गया तो उनका कहना था कि ऐसा कुछ हुआ ही नही है मैं पार्टी में 2013 से जुड़ कर लगातार कार्य कर रहा हु मैंने लोगो को जोड़ने का कार्य किया है समस्याओं को निराकरण कराने का प्रयास किया है यदि यह पार्टी विरोधी गतिविधि में आता है तो ऐसा ही समझिए।

पार्टी विरोधी गतिविधियों का आरोप

जनार्दन गुप्ता पर पार्टी विरोधी गतिविधियों का आरोप लगाया गया है लेकिन वह कौन सी गतिविधि थी जो पार्टी विरोधी थी यह नही बताया गया है।

जनार्दन गुप्ता के निष्कासन पार्टी को फायदा या नुकसान?

जनार्दन गुप्ता के निष्कासन से पार्टी को फायदा हॉगा या नुक्सान यह तो आने वाला समय बताएगा लेकिन पार्टी के कुछ लोग और स्थानीय सूत्र इसे नुकसान दायक निर्णय बता रहे हैं क्योंकि जनार्दन गुप्ता को बिना किसी अपेक्षा के कार्य करते अक्सर देखा गया है, लगातार चुनावो में हार का सामना करने के बाद भी वो पार्टी के लिए लगातार सक्रिय रूप से कार्य कर रहे थे।

दुरस्त क्षेत्रो में के कार्यकर्ताओं में पकड़

जनार्दन गुप्ता की दुरस्त क्षेत्रो के।कार्यकर्ताओं में अच्छी पकड़ थी, लोगो का उनके निवास पर आना जाना लगा हुआ है, ऐसे में जनार्दन आगे क्या निर्णय लेते है इस पर पार्टी के कई कार्यकर्ताओ की निगाहें इस पर टिकी हुई है। सूत्र बताते हैं कि जनार्दन भी अपने निष्काशन से दुखी है और अब जल्द कुछ नया और चौकाने वाला निर्णय ले सकते हैं।

क्या भाजपा कांग्रेस की तरह गोंडवाना में भी अंतर्कलह?

भाजपा कांग्रेस में अब खुले आम गुटबाजी देखने को मिल रही है लेकिन गोंडवाना में अभी तक ऐसा नही था, सूत्रों से मिली जानकारी अनुसाए जनार्दन के निष्कासन की वजह पार्टी की अंदरूनी गुटबाजी है। ऐसी जानकारी मिलने से सवाल उठने लगे हैं कि क्या अब गोंडवाना गणतंत्र में भी गुटबाजी का दौर शुरू हो गया है , यदि ऐसा है तो इसका नुकसान पार्टी को उठाना पड़ सकता है।

वाट्सप के माध्यम से मिली जानकारीःनीलेश पाण्डेय

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के नीलेश पाण्डेय ने कहा कि वाट्सऐप के माध्यम से जानकारी मिली है,बाकी ब्लॉक अध्यक्ष से जानकारी लेकर ही कुछ बता पाऊंगा,आरोप लगे हैं तो उसका पता कराया जाएगा।

निजी स्कूल में मासूम को पेड़ से लटकाकर पिटाई

जिला प्रशासन का कड़ा एक्शन...

दोषी शिक्षिका बर्खास्त,स्कूल को नोटिस

-संवाददाता-

सूरजपुर,25 नवंबर 2025 (घटती-घटना)। हंस वाहिनी विद्या मंदिर,रामानुजनगर में केजी-2 के मासूम बच्चे को पेड़ में लटकाकर मारने की घटना के बाद सूरजपुर जिला प्रशासन ने सखूत रुख अपनाया है,गृहकार्य न करने पर विद्यालय परिसर में एक महिला शिक्षिका द्वारा बच्चे को पेड़ से बांधकर मारने का अमानवीय कृत्य सामने आने के बाद जिला शिक्षा विभाग ने ताबड़तोड़ कार्रवाई की है।

मासूम छात्र को पेड़ पर लटकाकर दी अमानवीय सजा,पालकों में आक्रोश

घटना सामने आते ही प्रशासन सक्रिय...शिक्षिका बर्खास्त

कलेक्टर के निर्देश पर जिला शिक्षा अधिकारी ने तत्काल जांच के आदेश दिए, विकासखंड शिक्षा अधिकारी, रामानुजनगर से प्रतिवेदन प्राप्त होने के बाद, दोषी शिक्षिका से जवाब मांगा गया,जवाब असंतोषजनक पाए जाने पर शिक्षिका को बर्खास्त कर दिया गया, जिला प्रशासन ने इसे बाल संरक्षण कानून और शिक्षा अधिनियम का गंभीर उल्लंघन बताया है।

विद्यालय पर भी बड़ी कार्रवाई की तलवार

जांच में सामने आया कि विद्यालय कच्चे आवासीय मकान में संचालित, कक्षा 8वीं तक पढ़ाई, कुल 146 बच्चे दर्ज, केवल सशर्त अस्थायी मान्यता, और सुरक्षा व अवसंरचना के कई नियमों का पालन नहीं, जिला शिक्षा अधिकारी ने प्रबंधन को कारण बताओ नोटिस जारी किया है, यदि जवाब संतोषजनक नहीं हुआ तो स्कूल प्रबंधन पर कठोर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

नियमों का खुला उल्लंघन

नियम 6.2 किसी बच्चे को शारीरिक दंड या मानसिक प्रताड़ना पूर्णतः प्रतिबंधित,नियम 6.9 भवन,सुरक्षा व संसाधनों के अनुपात में ही प्रवेश दिया जा सकता है दोनों का उल्लंघन साफ तौर पर पाया गया है।

जिले के 32 निजी स्कूल भी रडार पर,बंद करने की तैयारी

घटना की गंभीरता को देखते हुए जिला शिक्षा अधिकारी ने सभी निजी स्कूलों के प्राचार्यों एवं प्रबंधकों की आपात बैठक ली,सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारियों से रिपोर्ट माँगी गई, रिपोर्ट में कई स्कूलों द्वारा नियमों का अनुपालन न करने की पुष्टि हुई।

प्रशासन का बड़ा निर्णय

जिले में वर्ष 2025-26 में संचालित 32 निजी विद्यालयों को बंद करने की तैयारी शुरू, कड़ा संदेश बाल अत्याचार बर्दाश्त नहीं जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया, किसी भी निजी विद्यालय में बाल क्रूरता, शारीरिक दंड या अवैध संचालन पाए जाने पर तत्काल कठोर कार्रवाई होगी।

जिस दुनिया में लड़कियों की इज्जत नहीं,उस दुनिया में जी कर क्या करुंगी

मार्मिक पत्र लिखकर स्कूली छात्र ने लगाया था मौत को गले...

आरोपी प्रिंसिपल (ब्रदर),कुलदीप टोपनो, न सिर्फ उस छात्रा के साथ,बल्कि अन्य छात्राओं के साथ भी करता था छेड़छाड़

-संवाददाता-

जशपुर,25 नवंबर 2025 (घटती-घटना)। सोमवार को जशपुर जिले के बगीचा थाना क्षेत्रांतर्गत एक अशासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल के 12वीं कक्षा के स्टडी रूम में एक नाबालिग छात्रा के द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या कर पी थी। पुलिस को घटना स्थल से छात्रा के द्वारा आत्महत्या के पूर्व लिखकर छोड़ा गया सुसाईड नोट भी बरामद हुआ है, जिसमें छात्रा ने स्कूल के प्राचार्य कुलदीपन टोपनो पर यौन प्रताडऩा के आरोप लगाते हुए,परेशान होकर आत्महत्या करने की बात लिखी है। इस पूरे मामले का मंगलवार को खुलासा करते हुए पुलिस ने बताया,कि आरोपी प्रिंसिपल के विरुद्ध थाना बगीचा में बीएनएस की धारा 74,108 व जे जे एक्ट की धारा 75 तथा 08 पॉस्को एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध करते हुए गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के द्वारा फोरेंसिक

एक्सपर्ट, सीन ऑफ क्राइम के अधिकारी सलीम कुजूर व वीडियो ग्राफर नवीन प्रजापति तथा गवाहों की उपस्थिति में शव पंचनामा की कार्यवाही की गई, छात्रा के शव के पंचनामा के दौरान पुलिस के द्वारा मृत छात्रा के पहने कपड़े की तलाशी ली गई तो उसकी जेब से दो पन्नों का सुसाइड नोट मिला, जिसमें मृत छात्रा के द्वारा स्कूल के प्रिंसिपल कुलदीप टोपनो को एक नीच इंसान होना, कुलदीप द्वारा सभी लड़कियों से गलत व्यवहार करना, लड़कियों के साथ गलत टच करना, कमर पकड़ना, प्राइवेट पार्ट्स को छूना तथा प्रिंसिपल कुलदीप टोपनो के द्वारा मृत छात्रा का भी कमर पकड़ना लिखा गया था व घटना के संबंध में रो रो कर सबको बताना लिखा गया था। मृतिका छात्र ने सुसाइड नोट में उक्त बातों को ही लेकर आत्महत्या करने के संबंध में लेख करते हुए, अपने कुछ सहेलियों का नाम भी उल्लेखित किया गया था। पुलिस के द्वारा सुसाइड नोट को गवाहों के समक्ष,परिजनों को दिखाया गया,जिनके द्वारा पुष्टि की गई कि उक्त लिखावट मृतिका छात्रा की ही है।

शिक्षक स्टॉफ व अध्ययनरत छात्राओं ने भी की छेड़छाड़ की पुष्टि

मृतक छात्रा के शव के पंचनामा के पश्चात पुलिस के द्वारा मृतक छात्रा की डॉक्टर से पोस्ट मार्टम कराया गया,जिसकी वीडियोग्राफी भी की गई है। जांच के दौरान पुलिस के द्वारा जब निजी स्कूल के अन्य शिक्षक स्टॉफ व अध्ययनरत छात्राओं से पूछताछ की गई तो उन्होंने बताया कि,घटना दिनांक को जब मृत छात्रा,स्कूल के कक्षा 12 वीं में झाड़ू लगा रही थी,इसी दौरान आरोपी प्रिंसिपल कुलदीप टोपनो के द्वारा गलत नियत से उसके कमर को छुआ गया था,जिससे वह अत्यंत दुःखी थी,घटना के संबंध में रो-रो कर उनको बताई थी,और बताई थी कि घटना के संबंध में किसी को बताने पर आरोपी प्रिंसिपल कुलदीप टोपनो के द्वारा, स्कूल से निकालने की बात भी कही गई थी।

बालको लेडीज़ क्लब ने वार्षिक उत्सव मेला का किया भव्य आयोजन

-संवाददाता-

कोरबा,25 नवंबर 2025 (घटती-घटना)। भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) के लेडीज़ क्लब द्वारा वार्षिक 'उत्सव मेला-2025' का भव्य आयोजन किया गया। बालको के सीईओ राजेश कुमार तथा बालको लेडिज क्लब की अध्यक्षा श्रीमती मनीषा कुमार ने फीता काटकर मेले का शुभारंभ किया। क्लब के गौरवशाली 52 वर्ष पूरे होने के अवसर पर उपलब्धियों और समृद्ध विरासत का जश्न मनाने के उद्देश्य से आयोजित यह मेला बालको परिवार के लिए एकता, उत्साह और सामुदायिक जुड़ाव का प्रतीक बन गया। मेले में बालको परिवार के 500 से अधिक सदस्य उत्साहपूर्वक शामिल हुए तथा विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों तथा पारिवारिक मनोरंजन का आनंद लिया। हर आयु वर्ग के लोग मेला में ऊर्जा और उत्साह से परिपूर्ण रहे। मेले में 20 से

अधिक स्टॉल लगाए गए जिनमें स्वादिष्ट व्यंजन, पारंपरिक परिधान,हैंडलूम उत्पाद, आभूषण,घरेलू शिल्प,खेल और मनोरंजन प्रमुख आकर्षण रहे। इन स्टॉलों ने न केवल स्थानीय प्रतिभाओं को अपनी कला प्रदर्शित करने का अवसर दिया, बल्कि महिला उद्यमियों को आर्थिक सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता के लिए महत्वपूर्ण मंच भी प्रदान किया। क्लब ने अपने वार्षिक कार्यक्रम के माध्यम से समुदाय में महिला नेतृत्व, रचनात्मकता और उद्यमिता को नई दिशा और गति प्रदान की। क्लब सदस्यों और बच्चों द्वारा प्रस्तुत विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों जैसे नृत्य,मंच प्रदर्शन, प्रतियोगिताएँ और इंटरएक्टिव गेम्स ने पूरे वातावरण को उल्लास से भर दिया। बच्चों, महिलाओं और युवाओं के लिए विशेष रूप से तैयार की गई गतिविधियों ने मेले की आकर्षकता और सहभागिता को और बढ़ाया। इस वर्ष का आयोजन पिछले वर्षों की तुलना में अधिक सुव्यवस्थित, प्रभावशाली और सहभागी रहा। कार्यक्रम के समापन पर लेडीज़ क्लब की पदाधिकारियों ने सभी प्रतिभागियों, और बालको प्रबंधन के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। साथ ही भविष्य में भी ऐसे ही प्रेरणादायी एवं सामुदायिक जुड़ाव को मजबूत करने वाले कार्यक्रम आयोजित करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

10 साल बाद शिल्पा शिंदे फिर बनेंगी अंगूरी भाभी

शुभांगी आत्रे ने रिप्लेसमेंट पर तोड़ी चुप्पी,कहा...मैं पूरी तरह तैयार हूं...

टीवी के पॉपुलर शो भाबी जी घर पर हैं में 10 साल बाद बड़ा बदलाव होने जा रहा है। शो में 10 साल से अंगूरी भाभी का रोल निभाने वाली शुभांगी आत्रे ने शो को अलविदा कह दिया है। इससे पहले एक्ट्रेस शिल्पा शिंदे अंगूरी भाभी का किरदार निभाती थीं लेकिन 10 साल पहले शुभांगी ने उन्हें रिप्लेस किया था। अब खबरों की माने तो फिर से इस रोल में शिल्पा शिंदे की वापसी हो रही है।

इंटरव्यू में शुभांगी ने अपनी जर्नी पर बात करते हुए कहा...मैंने हमेशा मिसेज कोहली से कहा था कि शो में मेरा सफर आन, बान और शान से शुरू होगा और वैसे ही खत्म होगा।

मैं इससे अच्छे फेयरवेल की उम्मीद नहीं कर सकती थी। मुझे क्यों रिप्लेस किया जा रहा है, उसमें उलझने का कोई मतलब नहीं है। मैं इसे एक आशीर्वाद के रूप में देखती हूं। क्योंकि एक आर्टिस्ट के रूप में, मैं नए किरदारों को तलाशना चाहती हूं। यहां से निकलने के बाद फिर से काम की तलाश करूंगी। लाइफ में इतना कुछ देखने के बाद, अब मैं पूरी तरह से तैयार हूं और सिर्फ अपनी बेटी और काम पर फोकस कर रही हूं।शुभांगी ने आगे कहा...'10 साल जिस शो का हिस्सा रही हूं, उसे छोड़ना इमोशनल कर रहा है। शो छोड़ना घर छोड़ने जैसा है। शूट के आखिरी दिनों में काफी इमोशनल हो गई थी। अंगूरी का किरदार मेरे लाइफ का हिस्सा बन गया था। मैं इस शो की शुक्रगुजार हूं क्योंकि इसने मुझे बहुत कुछ दिया है।'शुभांगी ने शो में शिल्पा शिंदे की वापसी पर भी बात की। उन्होंने कहा...'मैं अब इस रिप्लेसमेंट गेम को खत्म कर रही हूं। मैंने अपनी मां से कहा कि शिल्पा ने इस शो को 9-10 महीने में छोड़ दिया था। उस वक्त मुझे ऐसा महसूस हुआ जैसे वो न्यूबॉर्न बेबी सौंपकर गई हैं। आज वो बच्चा 10 साल का हो गया है। अब मैं इसे वापस कर रही हूं। मैंने 10 साल तक उसे वैल्यू और संस्कार दिए। मैं शिल्पा शिंदे और पूरी टीम को इस शो के 2.0 वर्जन के लिए ऑल द बेस्ट कहूंगी।'

शुभांगी ने छोटे पर्दे पर एकता कपूर के शो कसौटी जिंदगी की से करियर की शुरुआत की थी। उसके बाद कस्तूरी में मेन लीड में नजर आईं। इस शो से शुभांगी को काफी पॉपुलैरिटी मिली। भाबी जी घर पर हैं शो से जुड़ने से पहले शुभांगी दो हंसों का जोड़ा शो में भी नजर आई थीं। साल 2016 से वो भाबी जी घर पर हैं में अंगूरी भाभी का किरदार निभा रही थीं।

3 मस्तीखोरों की यारी में है कितना दम

मस्ती 4 के साथ रितेश देशमुख,विवेक ओबेरॉय और आफताब शिवदासानी वापस आ गए हैं, जिसने दर्शकों की संख्या कम होने पर भी बॉक्स ऑफिस पर चार दिन में 10 करोड़ रुपये कमा लिए हैं...

बॉलीवुड की पॉपुलर कॉमेडी फ्रेंचाइजी अपनी चौथी किस्त मस्ती 4 के साथ वापस आ गई है। यह फिल्म पिछले हफ्ते थिएटर में रिलीज हुई थी और तब से चर्चा में है। ओरिजिनल ट्रबलमेकिंग तिकड़ी रितेश देशमुख, विवेक ओबेरॉय और आफताब शिवदासानी एक बार फिर सभी को हंसाने के लिए बड़े पर्दे पर आ चुके हैं, लेकिन इन मस्तीखोरों की मस्ती क्या रंग लाई है। ये सिर्फ बॉक्स ऑफिस कलेक्शन से ही पता चलेगा। ये तीनों एक्टर शुरू से ही मस्ती सीरीज से जुड़े रहे हैं। रोमांस, ड्रामा और ओवर-द-टॉप कॉमेडी के मिक्स के साथ मस्ती 4 उन दर्शकों के लिए सिंपल, टाइम-पास एंटरटेनमेंट देती है जो हल्के-फुल्के और थोड़े नॉटी ह्यूमर पसंद करते हैं। अगर आप उन लोगों में से हैं जो इस तरह का कंटेंट देखना पसंद करते हैं तो ये मूवी आप सिनेमाघरों में अभी भी देख सकते हैं।

ट्रबलमेकिंग तिकड़ी में कितना था दम

रितेश देशमुख, विवेक ओबेरॉय और आफताब शिवदासानी की एडल्ट कॉमेडी मस्ती 4 को क्रिटिक्स ने कुछ खास अच्छे रिव्यू नहीं दिए। वहीं सिनेमाघरों में भी उम्मीद से कम दर्शकों को देखा गया। बता दें कि प्रमोशन के दौरान फिल्म की कास्ट ने खुलासा कर दिया था कि यह फिल्म परिवार के देखने लायक नहीं है, लेकिन फिर भी फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की। हालांकि, लोगों को इसका ये चौथा भाग कुछ खास नहीं लगा।

10 करोड़ का आंकड़ा किया पार

मस्ती 4 ने पहले दिन शुक्रवार को 2.75 करोड़ रुपये की ओपनिंग की थी। शनिवार को भी फिल्म ने यही आंकड़ा बनाए रखा। रविवार को तीसरे दिन इसमें थोड़ी बढ़त देखी गई और इसने 3 करोड़ रुपये कमाए। सोमवार को चौथे दिन फिल्म में गिरावट देखी गई। इसने 1.50 करोड़ रुपये कमाए। इस तरह सैकनिल्क के अनुसार, अब तक का कुल कलेक्शन 10 करोड़ रुपये है।

मस्ती 4 की कहानी

यह फिल्म तीन पतियों की कहानी है जो अपनी बोरिंग शादीशुदा जिंदगी से खुश नहीं हैं। बोरियत और अपनी तारीफ न मिलने पर वे आजादी के सपने देखने लगते हैं। साथ मिलकर वे अपनी शादी से दूर जाने और फिर से जिंदगी का मजा लेने का प्लान बनाते हैं। पहले तो उनका यह कदम रोमांचक और एडवेंचरस लगता है, लेकिन जल्द ही उनकी ये मस्ती एक हैरान करने वाले मोड़ पर आ खड़ी होती है। आगे उनकी पत्नियां क्या करती हैं यही इस फिल्म में देखने को मिलेगा।

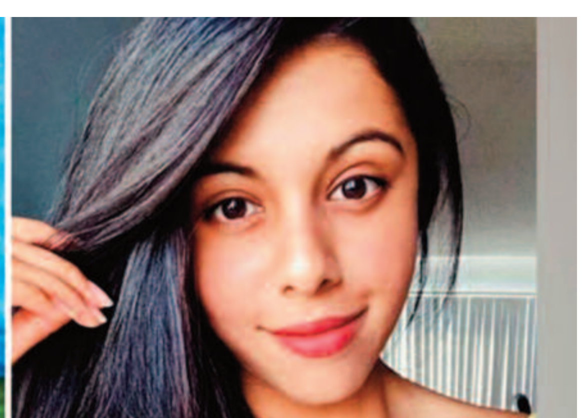

कचरे में पड़ी बच्ची को सुपरस्टार ने बनाया बेटी

बॉलीवुड में कुछ ऐसे कलाकार हैं, जिन्होंने अनाथ बच्चों को अपनाकर उनकी किस्मत बदल दी। सुष्मिता सेन से लेकर सनी लियोनी ऐसी ही कलाकार हैं। इस लिस्ट में बॉलीवुड के डिस्को डांसर मिथुन चक्रवर्ती का नाम भी शुमार है। मिथुन चक्रवर्ती हिंदी सिनेमा के चर्चित कलाकार हैं और उन्होंने कई हिट फिल्में दी हैं। वह अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ ही निजी जिंदगी को लेकर भी सुर्खियों में रहे। उनकी शादी के भी खूब चर्चे थे। लेकिन, क्या आप उनकी बेटी के बारे में जानते हैं। जी हां, मिथुन चक्रवर्ती की एक बेटी भी है, जिनका नाम दिशानी चक्रवर्ती है। मिथुन ने दिशानी को तब अपनाया, जब उनके ही माता-पिता ने उन्हें कचरे के ढेर में छोड़ दिया था।

जब अखबार की हेडलाइन पढ़कर पसीज उठा मिथुन का दिल

बॉलीवुड के मशहूर डिस्को डांसर मिथुन चक्रवर्ती और उनकी बेटी दिशानी की कहानी जितनी भावुक है, उतनी ही प्रेरणा से भरी हुई। भले ही वह मिथुन की अपनी संतान नहीं हैं, लेकिन परिवार के प्यार, अपनापन और रिश्तों की गर्माहट ने कभी उन्हें यह महसूस नहीं होने दिया। उनकी कहानी की शुरुआत होती है एक अखबार की उस दर्दनाक हेडलाइन से, जिसमें छपा था कि कोलकाता में एक नवजात बच्ची को कचरे के ढेर में फेंक दिया गया है। एक राहगीर ने जब उसे देखा, तो उसे घर ले गया और उसकी जान बचाई। दिशानी की यह यात्रा इसी छोटी-सी पर बेहद मार्मिक घटना से शुरू होती है।

मिथुन ने किया दिशानी को गोद लेने का फैसला

इस मासूम बच्ची की खबर पढ़कर मिथुन चक्रवर्ती ने तुरंत अपनी पत्नी योगिता बाली से बात की और दोनों ने मिलकर यह फैसला किया कि वे उस नन्ही सी जान को अपना नाम, अपना प्यार और एक सुरक्षित पहचान देंगे। कानूनी प्रक्रिया पूरी होते ही वह बच्ची दिशानी चक्रवर्ती बन गई, मिथुन और योगिता की दुलारी बेटी। मिथुन और योगिता ने दिशानी पर इतना स्नेह बरसाया कि उन्हें कभी यह एहसास नहीं हुआ कि वे एडॉप्टेड हैं। कोलकाता में जन्मी दिशानी ने शुरुआती पढ़ाई भारत में की। उम्र बढ़ने के साथ-साथ दिशानी की भी अभिनय के प्रति रुचि बढ़ती गई। एक्टिंग में करियर बनाने का सपना लिए वह अमेरिका के लॉस एंजेलस पहुंचीं और न्यूयॉर्क फिल्म एकेडमी से एक्टिंग में ग्रेजुएशन पूरा किया।

इन फिल्मों में काम कर चुकी हैं दिशानी

साल 2017 में दिशानी ने हॉलीवुड की शॉर्ट फिल्म 'द गिफ्ट' के साथ अपने अभिनय सफर की शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने 'होली स्मोक', 'अंडरपास', 'वाय डिड यू डू इट' और 'टू फेस्ड' जैसी कई शॉर्ट फिल्मों में अपने शानदार अभिनय से दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया। साल 2022 में रिलीज हुई उनकी शॉर्ट फिल्म 'द गेस्ट' ने उन्हें एक अलग पहचान दिलाई और अभिनय के क्षेत्र में उनकी प्रतिभा को खूब सराहा गया। हालांकि दिशानी बॉलीवुड की चकाचौंध से दूर रहती हैं, लेकिन सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय हैं। वह अपनी जिंदगी से जुड़े अपडेट अक्सर साझा करती रहती हैं और मिथुन चक्रवर्ती और अपने तीनों भाइयों के साथ तस्वीरें भी नियमित रूप से पोस्ट करती हैं।

हॉलीवुड एक्टर को किया डेट

ग्लैमर की दुनिया में चमकते हुए भी दिशानी की पर्सनल लाइफ अक्सर सुर्खियों में रहती है। 2021 में उन्होंने हॉलीवुड एक्टर कोडी सुलेक को डेट करना शुरू किया था। उनकी जोड़ी सोशल मीडिया पर काफी पसंद की गई। 2022 में दोनों ने अपनी पहली एनिवर्सरी मनाई और तस्वीरें भी शेयर कीं, लेकिन दुर्भाग्य से यह रिश्ता ज्यादा समय टिक नहीं सका। ब्रेकअप के बाद दिशानी ने कोडी के साथ अपनी सभी तस्वीरें इंस्टाग्राम से हटा दीं। लेकिन जिंदगी हमेशा आगे बढ़ती है। अब दिशानी एक नए रिश्ते में हैं और इस बार उनके दिल पर कब्जा किया है विदेशी सिनेमेटोग्राफर माइल्स मंट्जारिस ने। दोनों ने साथ में कई खूबसूरत तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें उनकी केमिस्ट्री साफ दिखाई देती है।

खेल-समाचार

लखनऊ ने कार्ल क्रो को स्पिन बॉलिंग कोच नियुक्त किया

लखनऊ,25 नवम्बर 2025। आईपीएल के नए सीज़न से पहले लखनऊ सुपर जायंट्स अपनी कोचिंग की ताकत बढ़ा रही है। लखनऊ, जिसने पहले ही केन विलियमसन को स्ट्रेटेजिक एडवाइजर और टॉम मूडी को ग्लोबल डायरेक्टर ऑफ़ क्रिकेट के तौर पर अहम ज़िम्मेदारियां सौंपी हैं,ने हाल ही में एक स्पिन बॉलिंग कोच अपॉइंट किया है। संजीव गोयनका की टीम कार्ल क्रो को लेकर आई है, जिन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स के कोच के तौर पर शानदार नतीजे हासिल किए थे। चार सीज़न से कप का इंतज़ार कर रही लखनऊ सुपर जायंट्स अपनी कोचिंग यूनिट को मज़बूत कर रही है। किसी भी कीमत पर आईपीएल जीतने के मकसद से, जायंट्स को अहम पद देने वाली लखनऊ ने इस बार एक टी 20 स्पिन स्पेशलिस्ट को हायर किया है। फ्रेंचाइजी ने इंग्लैंड के अनुभवी कार्ल क्रो को स्पिन बॉलिंग कोच अपॉइंट किया है। यह बात उनके ऑफिशियल ट्विटर अकाउंट पर बताई गई। आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स के स्पिनरों को ट्रेनिंग देने वाले क्रो को बिग बैश लीग और ग्लोबल ञ20 में काम करने का अनुभव है। हालांकि, 50 फर्स्ट-क्लास मैच खेल चुके क्रो ने इंग्लैंड की नेशनल टीम के लिए एक भी मैच नहीं खेला है। क्रो का कोचिंग स्टाइल थोड़ा अलग है। नेट्स में, वह कभी-कभी बॉलर्स से जानबूझकर खराब बॉल डालने के लिए कहते हैं। क्रो का कहना है कि यह खराब बॉल का फॉर्मूला प्रेशर में बहुत अच्छा काम करता है। इसके लिए, कोलकाता के मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती कभी-कभी जानबूझकर वाइड बॉल डालते हैं। फिर हमने उन्हें सही बॉल पर बैट्समैन को आउट करते देखा।

विराट कोहली ओडीआई सीरीज के लिए मुंबई पहुंचे

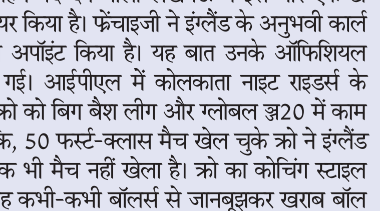

रांची,25 नवम्बर 2025। पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली एक बार फिर मैदान पर उतरने को तैयार हैं। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर हाफ सेंचुरी लगाकर चमकने वाले विराट इस बार घर में चमकने की तैयारी में हैं। साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की ओडीआई सीरीज के लिए टीम का हिस्सा कोहली मुंबई पहुंच गए हैं। ऑस्ट्रेलियाई दौरे के बाद लंदन में रहने के बाद वह मंगलवार को अपने वतन लौट आए। ब्लैक पैंट, चॉकलेटी रंग की शर्ट, कैप और चश्मे के सिंपल लुक में दिखे रन मशीन ने फैंस के साथ सेल्फी ली।

टी-20 वर्ल्ड कप में इंडिया-पाक मुकाबला 15 फरवरी को

भारत-श्रीलंका के 8 वेन्यू पर 29 दिन में 55 मैच

कोलंबो,25 नवम्बर 2025। आईसीसी ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 का शेड्यूल रिलीज कर दिया है। भारत और पाकिस्तान के बीच ग्रूप स्टेज का मुकाबला 15 फरवरी को कोलंबो में होगा। टूर्नामेंट भारत और श्रीलंका में 7 शहरों के 8 वेन्यू पर खेला जाएगा। 29 दिन में 55 मैच होंगे। भारत के वर्ल्ड कप विनिंग कैप्टन रोहित शर्मा को टूर्नामेंट का ब्रांड एम्बेसडर बनाया गया। मुंबई में आईसीसी की सेरेमनी हुई, यहां कमेटी ने बताया कि ओपनिंग मैच 7 फरवरी को पाकिस्तान और नीदरलैंड के बीच होगा। ग्रूप स्टेज में हर दिन 3 मैच खेले जाएंगे। फाइनल अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा। अगर पाकिस्तान ने नॉकआउट राउंड में एंट्री की तो मैच श्रीलंका में होंगे। टूर्नामेंट में 20 टीमें हैं, जिन्हें 4 अलग-अलग ग्रूपों में बांटा गया। भारत के 5, श्रीलंका के 3 वेन्यू पर

टूर्नामेंट भारत में अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम, नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम, कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम, चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम और मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में टूर्नामेंट के मैच खेले जाएंगे। वहीं श्रीलंका में कोलंबो और कैंडी में मुकाबले होंगे। कोलंबो में आर प्रेमदासा और सिनहले स्पोर्ट्स क्लब स्टेडियम पर मैच खेले जाएंगे। टीम इंडिया मुंबई, दिल्ली, कोलंबो और अहमदाबाद में ग्रूप स्टेज के मैच खेलेगी।

भारत-पाकिस्तान मैच कोलंबो में क्यों हो रहा?

चैंपियंस ट्रॉफी से पहले बीसीसीआई और पीसीबी के बीच यह सहमति बनी थी कि भविष्य में दोनों टीमें एक-दूसरे के देशों की यात्रा नहीं करेंगी। वहीं मल्टीनेशन टूर्नामेंट के मैच न्यूट्रल वेन्यू पर खेलेंगी। इसी साल चैंपियंस ट्रॉफी में भारत-पाकिस्तान मैच दुबई में हुआ था। इसलिए वर्ल्ड कप मैच कोलंबो में खेला जाएगा।

अफगानिस्तान-बांग्लादेश का ग्रूप मुश्किल

ग्रूप स्टेज में कुल 20 टीमें शामिल हैं, जिन्हें 4 अलग-अलग ग्रुप में बांटा गया। हर टीम अपने ग्रूप में 4 लीग मुकाबले खेलेगी। लीग स्टेज के बाद हर ग्रुप से 2-2 टॉप टीमों को सुपर-8 स्टेज में एंट्री मिलेगी। सुपर-8 में भी टीमों को एक्स और वाई ग्रूप में बांटा जाएगा। यहां भी 2-2 टॉप टीमों के सेमीफाइनल में एंट्री मिलेगी। जिसे जीतने वाली टीम 8 मार्च को अहमदाबाद में फाइनल खेलेगी।

ग्रूप-सी की बांग्लादेश और ग्रूप-डी की अफगानिस्तान का ग्रूप सबसे मुश्किल नजर आ रहा हैं। क्योंकि इनमें इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड शामिल हैं। चारों टीमों को फाइनल खेलने का अनुभव हैं, वहीं बांग्लादेश और अफगानिस्तान कभी किसी कप के फाइनल में नहीं पहुंच सकीं।

20 फरवरी तक चलेगा ग्रूप स्टेज

ग्रूप स्टेज में 7 फरवरी से 19 फरवरी तक हर दिन 3 मैच खेले जाएंगे। 20 फरवरी को ऑस्ट्रेलिया और ओमान के बीच एक ही मैच होगा। पहले राउंड में 40 मैच होने हैं। 21 फरवरी से सुपर-8 राउंड शुरू हो जाएगा, जिसमें 12 मुकाबले होंगे। यहां 22 फरवरी, 26 फरवरी और 1 मार्च को 2-2 मैच होंगे। वहीं बाकी दिन 1 ही मैच होगा। मुकाबले शुरू होने की टाइमिंग सुबह 11.00, दोपहर 3.00 और शाम 7 बजे रहेगी। 4 मार्च को कोलकाता में पहला सेमीफाइनल होगा, अगर पाकिस्तान ने एंट्री की तो मुकाबला कोलंबो में होगा। 5 मार्च को मुंबई में दूसरा सेमीफाइनल होगा। 8 मार्च को अहमदाबाद में फाइनल होगा, पाकिस्तान पहुंचा तो यह मुकाबला भी कोलंबो में खेला जाएगा।

इटली ने पहली बार क्वालीफाई किया

यूरोपियन देश इटली ने पहली बार टी-20 वर्ल्ड कप में जगह बनाई। मेजबान देशों के अलावा अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, साउथ अफ्रीका,अमेरिका और वेस्टइंडीज ने पिछले वर्ल्ड कप के सुपर-8 स्टेज में पहुंचने के कारण क्वालिफाई किया।

भारत-पाक एशिया कप में इस साल 3 बार भिड़े

इसी साल सितंबर में हुए एशिया कप में भारत और पाकिस्तान की टीमें 3 बार आपस में भिड़ीं। तीनों बार भारत को जीत मिली, इनमें 28 सितंबर को टूर्नामेंट का फाइनल भी शामिल रहा। इस दौरान दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने आपस में हाथ नहीं मिलाया था। पाकिस्तान के हारिस रऊफ ने प्लेन गिराने का इशारा किया। जबकि, साहिबजादा फरहान ने गन सेलिब्रेशन किया था। फाइनल जीतने के बाद भारतीय टीम ने चीफ मोहसिन नकवी के हाथ से ट्रॉफी लेने से मना कर दिया था। ऐसे में नकवी ने ट्रॉफी नहीं दी और टीम इंडिया को खाली हाथ लौटना पड़ा था।

एडिलेड स्ट्राइकर्स ने अंतिम गेंद पर जीता मैच

एडिलेड,25 नवम्बर 2025। एडिलेड स्ट्राइकर्स ने मंगलवार को करेन रोल्टन ओवल में खेले गए विमेंस बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) 2025 के 23वें मुकाबले को अपने नाम किया। इस टीम ने ब्रिस्बेन हीट के खिलाफ 6 विकेट से जीत दर्ज की। यह इस सीजन एडिलेड स्ट्राइकर्स की दूसरी जीत रही। इस जीत के साथ एडिलेड स्ट्राइकर्स प्वाइंट्स टेबल में छठे पायदान पर पहुंच गई है। इस टीम ने अब तक 6 में से 2 मुकाबले अपने नाम किए हैं। वहीं, ब्रिस्बेन हीट को इस सीजन लगातार छठे मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा है। यह टीम अंकतालिका में सबसे निचले पायदान पर है। मुकाबले में टॉस हारकर बल्लेबाजी के लिए उतरी ब्रिस्बेन हीट ने निर्धारित 20 ओवरों में 5 विकेट खोकर 169 रन बनाए। इस टीम के लिए चार्ली नॉट और विनफील्ड-हिल ने 5.3 ओवरों में 46 रन की साझेदारी की। चार्ली 14 गेंदों में 11 रन बनाकर पवेलियन लौटीं। इसके बाद विनफील्ड ने कप्तान जेस जोनासेन के साथ दूसरे विकेट के लिए 41 रन जुटाते हुए टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। विनफील्ड 36 गेंदों में 1 छक्के और 6 चौकों के साथ 47 रन बनाकर आउट हुईं। ब्रिस्बेन हीट की टीम 11 ओवरों में 87 रन बनाकर 2 विकेट गंवा चुकी थी। यहां से जोनासेन ने जॉर्जिया रेडमेन के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए 29 गेंदों में 34 रन जुटाए। जोनासेन ने टीम के खाते में 37 रन का योगदान दिया, जबकि रेडमेन 36 रन बनाकर नाबाद रहीं। इनके अलावा, नादिन डी क्लर्क ने 9 गेंदों में 25 रन की तूफानी पारी खेली। विपक्षी टीम की तरफ से सोफी एक्लेस्टोन और अमांडा-जेड वेलिंगटन ने 2-2 विकेट हासिल किए, जबकि जेम्मा बार्सबी ने 1 विकेट निकाला। इसके जवाब में एडिलेड स्ट्राइकर्स ने मुकाबले की अंतिम गेंद पर जीत दर्ज की। इस टीम को लौरा वोल्वार्ड्ट और टैमी ब्यूमोंट की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों बल्लेबाजों ने 10 ओवरों में 92 रन की साझेदारी की।

छत्तीसगढ़ को मिले 6800 करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव,उद्योग और पर्यटन को मिलेगा बूस्ट...

छत्तीसगढ़ देश का सबसे भरोसेमंद और तेजी से उभरता औद्योगिक गंतव्य : सीएम साय

रायपुर, 25 नवम्बर 2025। राजधानी दिल्ली आयोजित इन्वेस्टर कनेक्ट कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ को अभूतपूर्व निवेश प्रस्ताव मिले। स्टील, ऊर्जा और पर्यटन सहित विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख कंपनियों ने राज्य में उद्योग स्थापित करने,क्षमता विस्तार,होटल निर्माण और वेस्ट-टू-एनर्जी प्रोजेक्ट के लिए रुचि दिखाई। कार्यक्रम में शामिल कंपनियों ने कुल 6321.25 करोड़ के औद्योगिक निवेश और 505 करोड़ का पर्यटन निवेश का प्रस्ताव दिया है। इन परियोजनाओं से आगामी वर्षों में 3,000 से अधिक रोजगार अवसर सृजित होने की उम्मीद है। इस निवेश प्रस्ताव के साथ अब तक छत्तीसगढ़ को कुल 7.90 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं। दिल्ली स्थित होटल द ललित में आज आयोजित कार्यक्रम में स्टील और टूरिज़्म सेक्टर को केंद्र में रखते हुए नए निवेश अवसरों पर फोकस किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने उद्योग जगत के प्रमुख निवेशकों, विशेषज्ञों और उद्योग प्रतिनिधियों ने छत्तीसगढ़ में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा की एवं स्टील और टूरिज़्म सेक्टर की कई कंपनियों को निवेश प्रस्ताव पत्र सौंपे। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन, भारत सरकार के केमिकल और उर्वरक मंत्रालय के सचिव अमित अग्रवाल,इस्पात मंत्रालय के सचिव संदीप पौंडरिक भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने उद्योगपतियों को निवेश के लिए आमंत्रित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ आज देश के सबसे भरोसेमंद,स्थिर और तेज़ी से उभरते हुए औद्योगिक गंतव्यों में शामिल है। उन्होंने कहा कि राज्य में ऊर्जा,खनिज,सक्षम मानव संसाधन और निवेशक-हितैषी नीति का ऐसा संयोजन मौजूद है, जो किसी भी उद्योग के लिए अत्यंत उपयुक्त वातावरण तैयार करता है। उन्होंने बताया कि सिंगल विंडो सिस्टम के तहत अनुमतियाँ अब पहले की तुलना में अधिक तेज़ी और पारदर्शिता के साथ जारी हो रही हैं। छत्तीसगढ़ में उद्योग लगाना आज पहले से कहीं अधिक आसान हो गया है। राज्य में कोयला, लौह अयस्क,बॉक्साइट,टिन,लिथियम जैसे महत्वपूर्ण खनिजों की उपस्थिति बड़े औद्योगिक और विनिर्माण क्षेत्र के लिए वरदान है। उन्होंने कहा कि हाल ही में आयोजित 'एनर्जी समिट' में राज्य को साढ़े तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं और कई परियोजनाओं में कार्य प्रारंभ भी हो चुका है। मुख्यमंत्री साय ने स्टील सेक्टर का उल्लेख करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ देश का स्टील हब है, जहां भिलाई स्टील प्लांट, नगरनार स्टील प्लांट और एमएसएमई आधारित स्टील इकाइयां राज्य की औद्योगिक पहचान को मजबूती प्रदान कर रही हैं। उन्होंने कहा भिलाई स्टील प्लांट पिछले 70 वर्षों से देश की औद्योगिक प्रगति का स्तंभ रहा है और इसकी उपस्थिति ने स्टील आधारित उद्योगों का प्राकृतिक इकोसिस्टम तैयार किया है। ग्रीन स्टील और नवीकरणीय ऊर्जा पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा निर्धारित नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन लक्ष्य राज्य के लिए नए अवसर लेकर आया है और छत्तीसगढ़ इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। टूरिज़्म सेक्टर पर बात करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि बस्तर आज बहुत बदल रहा है। नक्सल हिंसा में कमी आई है, सड़कें, इंटरनेट और सुरक्षा व्यवस्था बेहतर हुई है। उन्होंने कहा कि बस्तर अब निवेश और पर्यटन दोनों का नया केंद्र बन रहा है। सरकार का लक्ष्य है कि 26 मार्च 2026 तक बस्तर पूरी तरह नक्सल-मुक्त हो जाए। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य में पर्यटन को उद्योग का दर्जा दिया गया है और राज्य सरकार होम-स्टे नीति, ट्राइबल टूरिज्म व सस्टेनेबल टूरिज्म पर फोकस कर रही है। इस अवसर पर सीएसआईडीसी के अध्यक्ष राजीव अग्रवाल, छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के अध्यक्ष नीलू शर्मा, मुख्य सचिव विकास शील, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध सिंह, पर्यटन विभाग के सचिव रोहित यादव,वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के सचिव रजत कुमार,संचालक प्रभात मलिक, सीएसआईडीसी के महाप्रबंधक विश्वेश कुमार, पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के संचालक विवेक आचार्य, इन्वेस्टमेंट कमिश्नर श्रीमती ऋतु सेन सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ को मिले प्रमुख निवेश प्रस्ताव

- ग्रीन एनर्जी इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड कंपनी ने कचरे से बिजली उत्पादन करने वाले 50 मेगावॉट के वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट की स्थापना के लिए 3,769 करोड़ का निवेश प्रस्तावित किया है, जिससे 150 लोगों को रोजगार मिलेगा। यह प्रोजेक्ट छत्तीसगढ़ में कचरा प्रबंधन और स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।
- आरती कोटेड स्टील द्वारा 315 करोड़ निवेश प्रस्ताव दिया गया है, एवं 550 रोजगार सृजन की संभावना है।
- एसडीआरएम मेटैलिक्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा स्टील प्लांट एवं पावर यूनिट के लिए 195.75 करोड़ का निवेश प्रस्ताव दिया है,जिससे रोजगार 492 रोजगार सृजन की संभावना है।
- आरएसएलडी बायोफ्यूल प्राइवेट लिमिटेड,चंडीगढ़ द्वारा इथेनॉल प्लांट हेतु 200 करोड़ का निवेश प्रस्ताव दिया है एवं 213 रोजगार सृजन की संभावना है।
- जे.के. लक्ष्मी सीमेंट,राजस्थान द्वारा क्षमता विस्तार हेतु 1816.5 करोड़ से अधिक निवेश प्रस्ताव, 110 रोजगार सृजन। अरमानी ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज़, रायपुर द्वारा मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक उपकरण निर्माण हेतु 25 करोड़ का प्रस्ताव,जिससे 200 युवाओं को रोजगार प्राप्त होगा।

शराब घोटाला केस...रायपुर में ईओडब्ल्यू-एसीबी की रेड

करन-ट्रेवल्स के ऑफिस में 2 घंटे जांच, पिता-पुत्र से पूछताछ,नेताओं-अधिकारियों की विदेश यात्रा से जुड़े दस्तावेज जब्त

रायपुर, 25 नवम्बर 2025। रायपुर में मंगलवार शाम को ईओडब्ल्यू-एसीबी ने करण ट्रेवल्स के ठिकानों पर छापा मारा। टीम ने गंज थाना इलाके के पिथलिया कॉम्प्लेक्स में मौजूद करन ट्रेवल्स के ऑफिस में करीब 2 घंटे तक डॉक्यूमेंट्स की जांच की। इसके साथ ही करन ट्रेवल्स संचालक अधिकारियों की टीम ने पिता-पुत्र से पूछताछ की। जानकारी के मुताबिक,करन ट्रेवल्स के संचालक का नाम जयंती भाई और उनके बेटे का नाम करण है। इन पर कांग्रेस कार्यकाल में कैश लेकर कई अधिकारियों और नेताओं के टिकट बनाने का आरोप है। कहा जा रहा है कि ये टिकट शराब घोटाले के पैसे से बुक किए गए थे।

क्या है पूरा मामला : दरअसल, शराब घोटाले की जांच के दौरान पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में कई बड़े राजनेताओं, अधिकारियों और संवैधानिक पदों पर रहे व्यक्तियों की विदेश यात्राओं और कश्मीर, तिरुपति, उदयपुर जैसे स्थानों की ट्रैवल हिस्ट्री सामने आई थी। जांच में पता चला कि इन यात्राओं के एयर टिकट और होटल बुकिंग करन ट्रैवल्स के जरिए कराए गए थे। उनका भुगतान कैश में किया गया था। यह भी आरोप है कि यह नकद पैसा शराब घोटाले से जुड़े काले धन से दिया गया था।

बड़ी मात्रा में दस्तावेज जब्त : ईओडब्ल्यू-एसीबी ने मंगलवार को इन्हीं सुरागों के आधार पर करन ट्रैवल्स के ऑफिस पर छापेमारी की। शाम साढ़े चार बजे पहुंची टीम को यहां से बड़ी संख्या में दस्तावेज मिले हैं। बताया जा रहा है कि जब्त किए गए कागजात में कई नेताओं और प्रभावशाली व्यक्तियों की ट्रैवल हिस्ट्री है।

संचालक और बेटे से पूछताछ जारी : फिलहाल, ईओडब्ल्यू के अधिकारी करन ट्रैवल्स के संचालक और उनके बेटे पूछताछ कर रहे हैं। पूछताछ दस्तावेजों में मिले भुगतान, बुकिंग और यात्राओं के आधार पर आगे बढ़ाई जा रही है। टीम कुछ और स्थानों पर भी कार्रवाई कर सकती है। 22 नवंबर को ईओडब्ल्यू-एसीबी के अफसरों ने रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, कोंडागांव और अंबिकापुर में छापामार कार्रवाई की थी। शराब घोटाला प्रकरण में जेल में बंद अनिल टुटेजा और निरंजन दास के परिजनों से जुड़े बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग और बस्तर के 8 ठिकानों पर छापे मारे गए। कार्रवाई के दौरान टीम ने कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य जब्त किए हैं।

छग निवासी लोको पायलट टंकेश महंत को मिलेगा भारत सेवा रत्न अवॉर्ड

जांजगीर-चांपा,25 नवम्बर 2025। जिले के सारागांव थाना अंतर्गत ग्राम कमरीद निवासी डॉ. टंकेश कुमार महंत को जयपुर, राजस्थान में 'भारत सेवा रत्न 2026' से सम्मानित किया जाएगा। नारायण दास और जीवन बाई के पुत्र डॉ. महंत को यह सम्मान 26 जनवरी 2026 को गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्रदान किया जाएगा। उन्हें यह सम्मान वर्ष 2013 से निःशुल्क शिक्षा, समाज सेवा, बालिका शिक्षा उत्थान, समाज में स्वरोजगार स्थापना और रक्त व्यवस्था जैसे कार्यों में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए दिया जा रहा है। उनकी सोच, नेतृत्व क्षमता और समाज उपयोगी सकारात्मक कार्यों को देखते हुए राष्ट्रीय जूरी ने उन्हें सम्मानित करने का निर्णय लिया है। इससे पहले भी डॉ. महंत को कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है। इनमें राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार, प्रधानमंत्री संग्रहालय (दिल्ली) में विश्व संस्कृति और पर्यावरण संगठन दिल्ली द्वारा डॉक्टरेट की मानद उपाधि, सावित्रीबाई फुले सम्मान, स्वामी विवेकानंद सम्मान, राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान (कलकत्ता) और शिक्षा शिरोमणि अवॉर्ड 2025 (मुंबई) शामिल हैं। डॉ. टंकेश कुमार महंत वर्ष 2013 से कोरबा स्टेशन में लोको पायलट के रूप में कार्यरत हैं। वर्ष 2015 से उन्होंने कोरबा में 'मंजिल गुरुकुल निःशुल्क शिक्षण संस्थान' की स्थापना की है।

सामान्य प्रशासन विभाग के 16 अफसरों का तबादला...

प्रफुल्ल टोप्पो वित्त,स्नेहा यादव गृह विभाग की संभालेंगी जिम्मेदारी

रायपुर,25 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ शासन के सामान्य प्रशासन विभाग ने 16 अनुभाग अधिकारियों के तबादले और नई पदस्थापना के आदेश जारी किए हैं। यह आदेश 25 नवंबर को नवा रायपुर से जारी हुआ है और तत्काल प्रभाव से लागू होगा। जारी सूची के अनुसार, कई अधिकारियों को उनके वर्तमान विभागों से हटाकर अन्य महत्वपूर्ण विभागों में जिम्मेदारी सौंपी गई है। अभिलाषा दास को जेल विभाग से स्थानांतरित कर GAD (क-9) में पदस्थ किया गया है। वहीं मुकेश तांड़ी, जो अभी सामान्य प्रशासन (क-3) में पदस्थ थे, अब कृषि विकास-किसान कल्याण और जैव प्रौद्योगिकी विभाग में कार्यभार संभालेंगे।

इनकी भी बदलगी गई जिम्मेदारियां : अंजू शर्मा को GAD (क-6) से ऊर्जा विभाग में भेजा गया है। आशीष कुमार अग्रवाल को महिला-बाल विकास विभाग से हटाकर आदिम जाति विकास विभाग में नई जिम्मेदारी मिली है। इसी प्रकार शबीहा परवीन खान को खाद्य विभाग से स्थानांतरित कर उच्च शिक्षा विभाग भेजा गया है। वित्त, राजस्व, गृह, विमानन और धर्मस्व विभाग सहित कई महत्वपूर्ण विभागों में अनुभाग अधिकारियों का फेरबदल किया गया है। शासन का कहना है कि यह बदलाव प्रशासनिक कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी और सुचारू बनाने के उद्देश्य से किया गया है।

कार्यभार ग्रहण कर रिपोर्ट पेश करने के निर्देश : हर अधिकारी को निर्देशित किया गया है कि वे तत्काल अपने नए विभाग में कार्यभार ग्रहण कर इसकी रिपोर्ट सामान्य प्रशासन विभाग को प्रस्तुत करें। ई-ऑफिस सेल और संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों को आदेश की प्रति भेजकर त्वरित अनुपालन सुनिश्चित किया गया है। इस व्यापक फेरबदल को विधानसभा सत्र और वर्षांत प्रशासनिक तैयारियों के बीच एक अहम कदम माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले महीनों में और भी प्रशासनिक बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

पति ने व्याख्याता पत्नी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की,उच्च शिक्षा विभाग में की शिकायत

बस्तर,25 नवम्बर 2025। पति केजूराम कोसरे ने व्याख्याता पत्नी रिंकी कोसरे के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते उच्च शिक्षा विभाग को शिकायत पत्र भेज दिया है। पत्र में बताया कि व्याख्याता पत्नी रिंकी कोसरे कानूनी सच्चाई को छिपाकर अतिथि व्याख्याता के पद पर नौकरी कर रही है, जो नियम के खिलाफ है। रिंकी कोसरे मां गंगादई शासकीय महाविद्यालय बस्तर मे अतिथि व्याख्याता समाजशास्त्र के पद पर है अतिथि व्याख्याता अतिथि नीति (पॉलिशी 2024) के अंतर्गत कंडिका क्रं. 7.2 में यह पूछा गया है कि आपके विरूद्ध पुलिस या न्यायालय में कोई अपराधिक प्रकरण विचाराधीन नही है।

बीजेपी कार्यालय वसूली के लिए आते थे नक्सली : भूपेश बघेल

भाजपा सांसद संतोष पांडेय ने कांग्रेसियों को बताया नक्सलियों के फूफा

रायपुर,25 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के एनकाउंटर और सरेंडर को लेकर सियासत जारी है। पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने भाजपा पर नक्सलियों को पैसा देने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि भाजपा सरकार के दौर में नक्सली सीधे एकात्म परिसर और मंत्रियों के दफ्तर तक वसूली के लिए आते थे। भूपेश बघेल ने कहा, 'भाजपा नक्सलियों को पैसा देती थी। नक्सली हफ्ता लेने एकात्म परिसर तक आते थे। मंत्री के दफ्तर में आते थे। पूर्व गृहमंत्री के पास तो 1 लाख रुपए देने की रसीद भी थी। आज वही लोग हम पर आरोप लगाते हैं। हमारे पहले पंक्ति के नेता नक्सलियों से लड़ते हुए शहीद हुए और ये हम पर उंगली उठा रहे हैं। '

भाजपा ने कांग्रेस को बताया 'नक्सलियों का फूफा': भूपेश बघेल के आरोपों पर भाजपा सांसद संतोष पांडेय ने तीखा जवाब दिया। उन्होंने कहा, 'कांग्रेस तो नक्सलियों का फूफा है, इनका पूरा कुनबा एक ही गोतियार है। ' यूथ कांग्रेस की राष्ट्रीय पदाधिकारी प्रीति मांझी ने इंस्टाग्राम पर हिड़मा की फोटो लगाकर 'लाल सलाम कॉमरेड' लिखा था। पोस्ट वायरल हुई तो उन्होंने इसे डिलीट कर दिया, लेकिन स्क्रीनशॉट तेजी से फैल गए। पार्टी ने बयान जारी कर कहा कि 'यह पदाधिकारी का व्यक्तिगत मामला है, पार्टी का इससे कोई संबंध नहीं। ' विवाद बढ़ने पर प्रीति मांझी ने सफाई देते हुए कहा कि उनकी स्टोरी का गलत मतलब निकाला जा रहा है। इसके बाद यूथ कांग्रेस ने इस मामले की जांच कमेटी बनाकर जांच पूरी होने तक पद से दूर रखा है। हिडमा 18 नवंबर को छत्तीसगढ़-आंध्र प्रदेश बॉर्डर पर मारा गया था।

पुलिसकर्मियों के लिए जीरो कट बाल और क्लीन शेव अनिवार्य नहीं

रायपुर,25 नवम्बर 2025। राज्य पुलिस के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए बाल जीरो कट रखने और क्लीन शेव अनिवार्य होने को लेकर फैल रही चर्चाओं पर अब स्थिति स्पष्ट हो गई है। पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू) ने आरटीआई के माध्यम से बताया है कि इस संबंध में न तो कोई प्रशासनिक आदेश जारी हुआ है और न ही प्रशासन शाखा या उप शाखा के किसी अभिलेख में ऐसा कोई उल्लेख मौजूद है। इसका अर्थ है कि पुलिसकर्मियों के लिए लंबे बाल या दाढ़ी रखना अनुशासनहीनता की श्रेणी में नहीं आता। यह जानकारी संयुक्त पुलिस कर्मचारी एवं परिवार कल्याण संघ के अध्यक्ष उज्जवल दीवान द्वारा लगाए गए आरटीआई आवेदन के जवाब में सामने आई है। जानकारी के अनुसार, दीवान ने 13 अक्टूबर को आवेदन लगाया था, जिस पर 12 नवंबर को एआईजी अंशुमान सिसोदिया ने जवाब दिया। दीवान ने बताया कि वर्ष 1861 से पुलिस व्यवस्था पर अंग्रेजों की दमनकारी नीतियों का प्रभाव रहा है और कई पुराने, अप्रचलित नियम आज भी व्यवहार में लाए जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कई पुलिसकर्मियों को केवल बाल जीरो कट न कराने या दाढ़ी बढ़ाने पर अनुशासनहीनता बताकर दंडित किया गया,जबकि संबंधित अधिकारियों को भी इस संबंध में वास्तविक नियमों की जानकारी नहीं थी।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2023-2025-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)